मूल्य 1 रु. वर्षः 9 - अंक : 302, मुंबई, बुधवार, 19 फरवरी, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

सीमा पर तनाव

पाक ने किया क्रूज मिसाइल 'राड-2' का परीक्षण

आईएसपीआर की तरफ से बताया गया है कि 600 किलोमीटर की क्षमता वाली क्रूज मिसाइल हवा से जमीन और समुद्र पर हमले को नाकाम करने की पाक सेना की रणनीतिक क्षमता बढ़ाएगी

संवाददाता

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में सीमा पर तनाव के बीच पाकिस्तान ने मंगलवार को 600 किलोमीटर की दूरी तक हमला करने में सक्षम क्रूज मिसाइल 'राड-2' का सफल प्रक्षेपण परीक्षण किया। इस मिसाइल को जमीन और समुद्र में हमलों को नाकाम करने के लिए पाक सेना की क्षमता बढ़ाने के तौर पर देखा जा रहा है। यह परमाणु शक्ति से भी लैस है। सेना की मीडिया इकाई इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशन्स (आईएसपीआर) की तरफ से कहा गया है कि 'राड-2' शस्त्र प्रणाली और अत्याधुनिक कमांड प्रणाली से लैस है। यह मिसाइल बेहद सटीक तरीके से निशाना साध सकती है। (शेष पृष्ठ 5 पर)

उद्धव ठाकरे ने कहा-सीएए से किसी को डरने की जरूरत नहीं

राज्य में एनआरसी लागू नहीं होने दूंगा

इस दौरान मुख्यमंत्री उद्धव ने एनपीआर और सीएए महाराष्ट्र में लागू करेंगे या नहीं इसे लेकर स्पष्ट तौर पर कुछ भी नहीं कहा है

पवार ने कहा-एनपीआर, सीएए और एनआरसी पर उद्धव जी का अपना मत हो सकता है, लेकिन राकांपा ने इसके खिलाफ है

मुंबई। नागरिकता संशोधन कानून(सीएए), राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर (एनआरसी) और राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) को लेकर राज्य में चल रही असमंजस की स्थिति पर मंगलवार को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बयान दिया। उन्होंने कहा, एनआरसी को राज्य में लागू नहीं होने देंगे। सीएए से किसी को डरने की जरूरत नहीं है और एनपीआर 10 साल में होने वाली जनगणना का एक प्रॉसेस है। हालांकि, इस दौरान उद्धव ने एनपीआर और सीएए लागू करेंगे या नहीं इसको लेकर स्पष्ट तौर पर कुछ नहीं कहा है। दरअसल, यह पूरा मामला तीन दिन पहले शुरू हुआ था। (शेष पृष्ठ 5 पर)

वार्ताकारों से मुलाकात से पहले बोलीं शाहीन बाग की महिलाएं...

हटने का सवाल नहीं

नई दिल्ली। शाहीन बाग में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के खिलाफ दो महीने से ज्यादा समय से प्रदर्शन चल रहा है। इसकी वजह से सड़क बंद पड़ी है। अब जब यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है तो उसने प्रदर्शनकारियों से बातचीत करने के लिए एक वार्ताकार पैनल का गठन कर दिया, जिनमें पूर्व मुख्य सूचना आयुक्त वजाहत हबीबुल्लाह, वरिष्ठ वकील संजय हेगड़े और साधना रामचंद्रन शामिल हैं। शीर्ष कोर्ट के वार्ताकार सड़क खाली करने के सिलसिले में शाहीन बाग के प्रदर्शनकारियों से बुधवार को मुलाकात कर सकते हैं। (शेष पृष्ठ 5 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

संक्षिप्त खबर

अयोध्या जरूर जाओ, हो सकता है हिंदुत्व वाला खून जाग जाए !

मुंबई। महाराष्ट्र प्रदेश भाजपा का दो दिवसीय प्रादेशिक अधिवेशन रविवार को नवी मुंबई के नेरुल में संपन्न हो गया। अधिवेशन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए विधानसभा में नेता विपक्ष देवेंद्र फडणवीस ने अपने चिर परिचित आक्रामक अंदाज में शिवसेना पर जबर्दस्त हमला बोला। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की प्रस्तावित अयोध्या यात्रा का जिक्र करते हुए फडणवीस ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण होना है, इसलिए कुछ लोग अयोध्या जाने का ऐलान कर रहे हैं। साथ ही कहा कि 'अयोध्या जरूर जाओ, हो सकता है तब हिंदुत्व वाला असली खून जाग जाए।'
सत्ता जाने से हतोत्साहित पार्टी नेताओं और कार्यकताओं में फडणवीस ने अपने भाषण से जोश भरने की कोशिश की। बता दें कि चुनाव से पहले फडणवीस ने ही पार्टी कार्यकताओं को फिर से सत्ता में लौटने का भरोसा दिलाया था। चुनाव के बाद पार्टी के पहले राज्यस्तरीय अधिवेशन में फडणवीस ने कार्यकताओं के समक्ष सत्ता न ला पाने की सफाई देते हुए कहा कि हमारे साथ विश्वासघात हुआ है, परंतु अब रोने के नहीं, लड़ने के दिन हैं। हम सब छत्रपति शिवाजी महाराज के अनुयायी हैं। 22 किले हारने के बाद 44 किले जीतने की हमारी ताकत है। हमें धर्म के लिए लड़ना है। जो अधर्म के साथ हैं, फिर चाहे वह हमारे पुराने दोस्त ही क्यों न हों, हमें उनके खिलाफ भी लड़ना पड़ेगा। इसकी शुरूआत नवी मुंबई महानगरपालिका चुनाव से होगी। इसके बाद औरंगाबाद महानगरपालिका पर भी भाजपा का झंडा लहराएगा। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह विजयी अभियान जारी रहेगा। चंद्रकांत पाटील को फिर से प्रदेशाध्यक्ष बनने की बधाई देते हुए फडणवीस ने कहा कि प्रदेशाध्यक्ष ने आगामी 22 फरवरी को पूरे महाराष्ट्र में महा विकास आघाडी सरकार के खिलाफ हमें आंदोलन करने को कहा है। उन्होंने पार्टी कार्यकताओं से पूरी ताकत से 22 फरवरी के आंदोलन में शामिल होने की अपील की।

मोजैक फोंसेका से बनवाई फर्जी कंपनी, इकबाल मिर्ची के बेटे ने कुछ यूं सफेद किया अपना काला धन

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) इकबाल मिर्ची के मनी लॉन्ड्रिंग केस की जांच कर रहा है। इस जांच में यह खुलासा हुआ है कि इकबाल मिर्ची के बेटे जुनैद मेमन के पास एक ब्रिटिश वर्जिन आइसलैंड कंपनी है, जिसके पास यूके में कम से कम 15 संपत्तियां हैं। रिपोट्र्स के मुताबिक, इन प्रॉपर्टीज की कीमत सैकड़ों करोड़ रुपये से भी ज्यादा है। बताते चलें कि इकबाल मिर्ची अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम का सहयोगी रहा है।
पनामा की लॉ फर्म मोजैक फोंसेका के माध्यम से बनाई गई कंपनी कंट्री प्रॉपर्टी लिमिटिड में जुनैद मेमन इकलौते डायरेक्टर और शेयर होल्डर हैं। यूके में जो प्रॉपर्टीज इस कंपनी से जुड़ी हैं, उनकी कीमत सैकड़ों करोड़ रुपये आंकी गई हैं। इसके अलावा भारत, दुबई और तुर्की में भी प्रॉपर्टीज खरीदी गई हैं। ईडी ने इकबाल मिर्ची के ईमेल को रिकवर किया है। ईमेल के विश्लेषण के बाद फिरौती वसूली और ड्रग डीलिंग से जुड़ी कई अहम जानकारियां मिलीं। यह भी पता चला कि काले धन को छिपाने के लिए दुबई में चलने वाले होटल्स का इस्तेमाल किया जा रहा था और मनी लॉन्ड्रिंग की जा रही थी। इकबाल मिर्ची के गिरोह से कमाए जाने वाले पैसे को भारत से लंदन और लंदन से दुबई भेजा जाता था। दुबई में मिहाज इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन इस पैसे का मुख्य केंद्र था।

शीना बोरा मर्डर जांचः पूर्व पुलिस कमिश्नर राकेश मारिया ने अपनी आत्मकथा में किया बड़ा 'खुलासा'

मुंबई। मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर राकेश मारिया ने अपनी आत्मकथा में दावा किया है कि 2015 में शीना बोरा मर्डर केस की जांच के दौरान शुरूआत में संयुक्त पुलिस आयुक्त (लॉ ऐंड ऑर्डर) देवेन भारती ने यह खुलासा नहीं किया था कि वह मामले के मुख्य संदिग्ध पीटर मुखर्जी और उनकी पत्नी इंद्राणी मुखर्जी को जानते थे। अपनी किताब 'छी३ टी रं८ क३ ठङ्कद' में राकेश मारिया ने जांच के दौरान हुए अपने तबादले को लेकर भी चुप्पी तोड़ी है। मारिया पर आरोप थे कि वह पीटर को बचाने की कोशिश कर रहे हैं।

किताब के मुताबिक, मुखर्जी के साथ भारती की दोस्ती के बारे में खुलासा तब हुआ जब मारिया ने इंद्राणी की गिरफ्तारी के तुरंत बाद खार पुलिस स्टेशन में पीटर से पूछताछ की। मारिया ने इस घटना के बारे में लिखा है कि उन्होंने पीटर से सवाल किया कि जब उसे 2012 में शीना के अचानक गायब होने के बारे में पता चला तो उन्होंने क्यों कुछ नहीं किया? इसपर पीटर ने कहा, 'सर, मैंने देवेन को बताया था!' किताब में लिखा है, 'मैंने देवेन की तरफ देखा लेकिन वह चुपचाप खड़े रहे। पीटर ने जो बात कही उसे सुनकर पूछताछ के दौरान मौजूद सभी अधिकारी दंग रह गए थे।' इंडियन एक्सप्रेस ने वर्तमान में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एटीएस) के रूप में तैनात भारती से जब इस बारे में बात की तो उन्होंने कहा, 'मारिया एक ऐसे परिवार से ताल्लुख रखते हैं जो बॉलिवुड से जुड़ा है। ऐसा लगता है कि स्क्रिप्टराइटर्स का उनपर गहरा प्रभाव है। इसके अलावा, यह एक मार्केटिंग स्ट्रैटिजी प्रतीत होती है।

अपनी किताब में मारिया ने उन आरोपों को भी खारिज किया कि उन्होंने शीना बोरा हत्या मामले में पीटर मुखर्जी को लेकर सीएम फडणवीस को गुमराह किया था। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में फडणवीस के हवाले से कहा गया था कि उन्हें बताया गया कि पीटर मुखर्जी शीना की हत्या में शामिल नहीं थे। उन्होंने किताब में यह भी खुलासा किया कि उन्होंने तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) केपी बख्शी से मीडिया के साथ बात करने की अनुमति मांगी क्योंकि उनकी भूमिका को संदेह के दायरे में देखा गया था। इस पर बख्शी ने खुले तौर पर कभी जवाब नहीं दिया और मारिया तीन महीने बाद सेवानिवृत्त हो गए।

चचेरी बहन की रेप के बाद की थी हत्या, नाबालिग को कोर्ट ने सुनाई सजा

मुंबई। महाराष्ट्र के भिवंडी में पांच साल की चचेरी बहन का अपहरण, बलात्कार और फिर उसकी हत्या करने के मामले में बाल न्यायालय ने 13 वर्षीय आरोपी को 10 हजार रुपये दंड की सजा सुनाई है। दिवाली के दिन पटाखा दिलाने के बहाने दोषी ने अपनी चेहरे बहन का अपहरण कर उसे हवस का शिकार बनाया और उसकी हत्या कर दी।

सरवलीपाड़ा स्थित एमआईडीसीसी परिसर में रहने वाली पीड़िता का परिवार मजदूरी करता था। पांच वर्षीय नाबालिग 28 अक्टूबर 2019 को अचानक गायब हो गई थी। खोजबीन के बाद झाड़ियों में उसका शव मिला था। चिकित्सीय जांच के बाद उसके साथ बलात्कार होने और गला दबाकर हत्या करने की पुष्टि हुई थी।

जांच के बाद पीड़िता के चचेरे भाई को शक के आधार पर गिरफ्तार किया गया, जिसने बाद में बलात्कार और हत्या की बात स्वीकार की। इसके बाद आरोपी को बाल सुधार गृह भेज दिया गया था। मामले की सुनवाई करते हुए न्यायालय ने 13 वर्षीय आरोपी को 10 हजार रुपये दंड की सजा सुनाई है।

बीएमसी को 65 करोड़ देगी एमएमआरडीए

मुंबई। मेट्रो की पाइलिंग के दौरान बीएमसी के पानी की पाइप लाइन टूटने के कारण एमएमआरडीए अन्य स्थानों पर काम के लिए बीएमसी को 65.2 करोड़ रुपये का भुगतान करेगा। इस पैसे से बीएमसी पाइप लाइन की आधुनिक तरीके से मरम्मत या किसी अन्य स्थान पर नई पाइप लाइन बैठाएगी। खासकर मेट्रो 2 ए परियोजना के रास्ते में आनेवाली पाइप लाइनों के लिए एमएमआरडीए को अतिरिक्त आर्थिक बोझ सहन करना पड़ेगा।

पश्चिम उपनगर के बोरिवली पश्चिम स्थित लिंक रोड महावीर नगर जंक्शन से देवकी नगर जंक्शन और कांदरपाडा तक 900 मि.मी. व्यास की पाइप लाइन लगाना है। इसके लिए बीएमसी टेंडर निकाल चुकी है और कंसल्टेंट भी नियुक्त कर चुकी है। इस पाइप लाइन के मार्ग में मेट्रो 2 ए का खंभा आएगा। इसीलिए इस पाइप लाइन को कहीं और लगाने की जरूरत है। बीएमसी कमिश्नर और एमएमआरडीए कमिश्नर के बीच इस मुद्दे पर पिछले वर्ष बैठक हुई थी। तब एमएमआरडीए कमिश्नर ने बीएमसी कमिश्नर से कहा था कि हम काम के बदले हुए नुकसान की भरपाई करने को तैयार है उस पर बीएमसी ने सहमति जताई थी। अब एमएमआरडीए ने बीएमसी को निधि देने का पत्र भेजा है।

38 के पार पहुंचा तापमान, फरवरी में मुंबईकर के छूटे पसीने

मुंबई। अभी गर्मी की भी शुरूआत भी नहीं हुई है, लेकिन सूरज के आक्रामक तेवर के कारण मुंबईकरों के पसीने छूटने लगे हैं। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार को मुंबई शहर का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस और उपनगर का 38.1 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 5 डिग्री और 7.2 डिग्री सेल्सियस अधिक है। मौसम जानकारों के अनुसार अगले दो दिन तक मौसम की स्थिति कमोबेश इसी तरह रहने की उम्मीद है।

सुबह से ही तापमान में बढ़ोतरी होने लगी थी, जिसके कारण घर से निकलने वाले लोगों को भयंकर उमस और गर्मी का सामना करना पड़ा। आलम यह रहा कि दोपहर के वक्त ही तापमान 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मौसम विभाग पश्चिम भारत के उपमहानिदेशक के. एस. होसालिकर ने बताया कि गर्म हवा चलने के कारण सी-ब्रीज देरी से सेट हुईं, जिसके कारण तेजी से तापमान बढ़ गया है। फिलहाल की स्थिति के अनुसार, अगले दो दिन तक मुंबई और आसपास का तापमान कमोबेश इसी तरह रह सकता है।

सोमवार इस सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। इस सीजन में पहली बार है, जब तापमान में 38 डिग्री के पार पहुंचा है। मौसम का पूवार्नुमान करने वाली निजी संस्था स्काइमेट के प्रमुख महेश पलावत ने बताया कि लैंड ब्रीज अधिक चलने के कारण सी-ब्रीज देरी से सेट हुई। यही कारण रहा कि तापमान में बढ़ोतरी हुई। मुंबई पर फिलहाल दक्षिण -पूर्व हवाओं का असर है, ये हवाएं गर्म होती हैं और इससे तापमान में बढ़ोतरी होना तय रहता है।

पिछले कुछ सालों से फरवरी महीने में ही सूरज के तेवर तेज दिखने लग जा रहे हैं। मौसम विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार पिछले 10 सालों में यह चौथी बार है, जब फरवरी महीने में अधिकतम तापमान 38 डिग्री के पार पहुंचा है। इसके पहले 2017 में 19 फरवरी को 38.8 डिग्री सेल्सियस, 2015 में 23 फरवरी को 38.8 डिग्री और 2012 में 22 फरवरी को 39.1 डिग्री सेल्सियस रहा है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक–**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल, साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: **9619102478 /9769659975**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादकः **दिलशाद एस खान**, समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

भीमा कोरेगांव हिंसा: आखिर क्यों एसआईटी जांच की मांग पर अड़े हैं शरद पवार?

मुंबई। भीमा-कोरेगांव हिंसा और एल्गार परिषद की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (ठकअ) से जांच के समानांतर जांच कराने की एनसीपी प्रमुख की मांग के पीछे मजबूत आधार है। इसीलिए शरद पवार लगातार इस मांग को उठा रहे हैं। वह खुले आम बीजेपी सरकार पर इस मामले में कुछ छिपाने का आरोप लगा रहे हैं। बिना किसी आधार के आरोप लगाना शरद पवार का स्वभाव नहीं है।

राज्य सरकार के विशेष जांच दल (एसआईटी) बनाने के पीछे शरद पवार की मांग का एक आधार यह भी है कि पवार चाहते हैं कि जब राज्य सरकार की एसआईटी समानांतर जांच चलेगी, तो केंद्र सरकार की एजेंसी एनआईए के पर निष्पक्ष जांच का दबाव रहेगा। यह बात सोमवार को एनसीपी नेताओं की बैठक के बाद पार्टी के एक नेता ने नाम न छापने की शर्त पर बताई।

बता दें कि पिछले सप्ताह उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार ने एल्गार परिषद मामले की जांच एनआईए

को सौंपने को अपनी मंजूरी दे दी थी। एनसीपी ने इस कदम की आलोचना की थी। पार्टी अध्यक्ष शरद पवार ने मामले की जांच केंद्रीय एजेंसी को दिए जाने संबंधी मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के फैसले को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की थी।

सोमवार को हुई एनसीपी की बैठक में अन्य मुद्दों के साथ-साथ इस मुद्दे पर चर्चा हुई। बैठक के बाद एनसीपी प्रवक्ता और राज्य के मंत्री नवाब मलिक ने पत्रकारों से कहा, एनसीपी के कैबिनेट मंत्रियों की बैठक में फैसला लिया गया कि गृह मंत्री अनिल देशमुख एल्गार परिषद मुद्दे के लिए एक एसआईटी गठित किए जाने के लिए सभी आवश्यक प्रक्रियाओं की जांच करेंगे।

बैठक में शामिल एक नेता ने कहा कि पार्टी के ज्यादातर नेता पार्टी प्रमुख शरद पवार द्वारा की जा रही एसआईटी जांच की मांग से सहमत थे और इस बात पर नाराज थे कि मुख्यमंत्री ने एनआईए जांच को मंजूरी क्यों दी। इस पर शरद पवार ने ही अपने नेताओं को समझाया कि कानून एनआईए जांच से राज्य सरकार इनकार नहीं कर सकती, लेकिन एनआईए कानून की धारा 10 के तहत राज्य सरकार ऐसे किसी भी केस की समानांतर जांच करा सकती है, जिसकी जांच एनआईए भी कर रही हो। पार्टी ने एसआईटी गठन के मुद्दे पर मुख्यमंत्री से समन्वय की जिम्मेदारी अपने नेता गृह मंत्री अनिल देशमुख को सौंपी हैं। देशमुख इस बारे में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से सलाह-मशविरा करके जल्द ही एसआईटी गठन की घोषणा करेंगे। एनसीपी नेता का कहना था कि गृह मंत्रालय के कुछ अधिकारी नहीं चाहते कि एसआईटी बने। ऐसे अधिकारियों के बारे में भी उपमुख्यमंत्री अजित पवार, गृहमंत्री अनिल देशमुख मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को जानकारी देंगे। बैठक में एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने अपने मंत्रियों को सलाह दी है कि पांच साल सरकार चलाना है तो मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के साथ समन्वय रखना जरूरी है। विवादित मामलों मंत्री बयान देने से बचे। सरकार और पार्टी के बीच मतभेद नहीं होना चाहिए। बैठक में उन्होंने मंत्रियों को याद दिलाया कि चुनाव से पहले कांग्रेस-एनसीपी ने जो संयुक्त घोषणा पत्र बनाया था उसके अमल पर पूरा ध्यान दें।

पूर्व पुलिस कमिश्नर राकेश मारिया का बड़ा दावा- दाऊद को मिली थी कसाब की सुपारी

मुंबई। मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर राकेश मारिया ने 26/11 आतंकी हमले के दोषी अजमल कसाब को लेकर अपनी आत्मकथा में बड़ा दावा किया है। इस किताब में मारिया ने दावा किया है कि मुंबई पुलिस कसाब की तस्वीर जारी नहीं करना चाहती थी।

मारिया ने दावा किया कि पुलिस ने पूरी कोशिश की थी कि आतंकी की डिटेल मीडिया में लीक न हो पाए। इतना ही नहीं, मारिया ने यह भी दावा किया है कि अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम गैंग को कसाब को मारने की सुपारी भी दी गई थी। मारिया ने अपनी आत्मकथा में लिखा है, 'दुश्मन (आतंकी कसाब) को जिंदा रखना मेरी पहली प्राथमिकता थी। कसाब के खिलाफ लोगों का आक्रोश और गुस्सा चरम पर था। इतना ही नहीं, मुंबई पुलिस के ऑफिसर भी आक्रोशित थे। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई और आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा आतंकी कसाब को किसी भी हाल में उसे रास्ते से हटाने की फिराक में थे क्योंकि कसाब मुंबई हमले का सबसे बड़ा और एकलौता सबूत था।'

गौरतलब है कि 26 नवंबर 2008 को मुंबई में पाकिस्तान

से समंदर के रास्ते आए 10 आतंकियों ने तीन जगहों पर हमला किया था। इन हमलों में 160 से अधिक लोग मारे गए और सैकड़ों लोग घायल हुए थे। इन हमलावरों में एकमात्र अजमल कसाब ही था, जिसे मुंबई पुलिस जिंदा पकड़ सकी थी। कसाब को 21 नवंबर 2012 को पुणे की यरवडा जेल में फांसी दे दी गई थी।

जीएसटी भवन आग में साजिश की 'बू', अजित पवार ने दिया जांच का आदेश

मुंबई। राज्य को हजारों करोड़ रुपये का राजस्व उपलब्ध करनेवाला जीएसटी भवन भी सोमवार दोपहर आग की चपेट में आ गया। जीएसटी भवन में लगी आग पर बवाल भी खड़ा हो गया है। कांग्रेस नेता रवि राजा ने इस पर आशंका जताते हुए कहा कि इतनी महत्वपूर्ण इमारत में आग कैसे लगी, इसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने आशंका जताई कि कहीं यह आग साजिश के तहत तो नहीं लगाई गई।

सूत्रों के मुताबिक, जीएसटी से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण फाइलें कमिश्नर के पास थीं। आग भी कमिश्नर कार्यालय के फ्लोर पर लगी, जिसमें महत्वपूर्ण फाइलें और कागजात जलकर खाक हो गए। बता दें कि जिस फ्लोर पर आग लगी, वहां जीएसटी के अडिशनल कमिश्नर शेख का कार्यालय है। 8वें फ्लोर पर कमिश्नर संजीव कुमार और एक अन्य अडिशनल कमिश्नर का भी दफ्तर जलकर खाक हो गया। इससे आशंका को और बल मिल रहा है। इस आग की तुलना 22 जून 2012 को मंत्रालय में लगी आग से की जा रही है, जिसमें कई फ्लोर जलकर खाक हो गए थे और महत्वपूर्ण फाइलें जल गई थीं। जीएसटी विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि यह इमारत हर साल राज्य सरकार को करीब 90 हजार करोड़ रुपये का राजस्व उपलब्ध कराती है।

नाशिक से जीएसटी भवन आए एक अधिकारी ने बताया कि आग के कारण जीएसटी वसूली पर असर पड़ेगा। उन्होंने बताया कि जनवरी, फरवरी और मार्च में सर्वाधिक जीएसटी भरा जाता है। ऐसे में आग में किस कंपनी का फॉर्म जला है, यह देखनेवाली बात होगी। उन्होंने बताया कि बीपीसीएल, भारत पेट्रोलियम, रिलायंस पेट्रोलियम जैसी कई पेट्रो कंपनियां यहीं जीएसटी का भुगतान करती हैं, इसलिए आग का असर जेएलसी वसूली पर पड़ना तय है।

यशवंत राव चव्हाण सेंटर में एनसीपी की बैठक चल रही थी। इस बैठक में उपमुख्यमंत्री अजित पवार भी मौजूद थे।

अप्रैल में शुरू होगा रोपवे का काम, कांदिवली में मेट्रो से उतरने के बाद कर सकेंगे इस्तेमाल

मुंबई। मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) की महत्वाकांक्षी रोपवे परियोजना का काम अप्रैल के अंत से आरंभ हो जाएगा। रोपवे के निर्माण कार्य को रफ्तार देने के लिए टेंडर निकाल दिया गया है। अप्रैल के पहले सप्ताह तक टेंडर अलॉट कर दिया जाएगा। टेंडर अलॉट होने के कुछ सप्ताह के भीतर रोपवे का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। मेट्रो 2ए से सफर करने वाले यात्रियों को उनके अंतिम पड़ाव तक पहुंचाने के लिए रोपवे पर काम किया जा रहा है।

दहिसर से डी.एन. नगर के बीच बन रहे मेट्रो 2ए कॉरिडोर का कार्य अपने अंतिम चरण के करीब है। एमएमआरडीए मेट्रो 2ए कॉरिडोर पर सेवा शुरू करने के कुछ महीनों के भीतर ही रोपवे सेवा शुरू करने की योजना पर काम कर रहा है। रोपवे के निर्माण में इच्छुक कंपनियां 26 मार्च तक टेंडर जमा करवा सकती हैं। 25 फरवरी को एमएमआरडीए मुख्यालय में प्री बिडिंग मीटिंग आयोजित की गई है। इस मीटिंग में कंपनियों के प्रतिनिधियों को परियोजना संबंधित विस्तृत जानकारी मुहैया करवाई जाएगी।

जॉइंट मेट्रोपोलिटन कमिश्नर डॉ. बी. जी. पवार के अनुसार, रोपवे कॉरिडोर 7.2 किलोमीटर लंबा होगा। इसके मार्ग पर कुल 8 स्टेशन होंगे। महावीर नगर मेट्रो स्टेशन से पगोडा, एसेल वर्ल्ड, मार्वे और गोराई गांव की ओर जाने वालों को सुविधा मिलेगी। रोपवे से दो मिनट में एक किलोमीटर की दूरी तय की

जा सकेगी। एमएमआरडीए ने पूर्वी उपनगर को पश्चिम से जोड़ने के लिए रोपवे परियोजना का खाका तैयार किया है। इसके जरिए लोग आसानी से मालाड मेट्रो स्टेशन, मार्वे, बोरीवली रेलवे स्टेशन, मेट्रो 2ए और गोराई जेटी तक पहुंच सकेंगे। मुंबई में बढ़ती ट्रैफिक की समस्या को देखते हुए यह परियोजना तैयार की गई है। रोपवे के लिए बड़ी जगह की आवश्यकता नहीं होती है। एक छोटी सी जगह पर पिलर तैयार कर सेवा शुरू की जा सकती है। मौजूदा समय में लोगों को मार्वे और गोराई बीच पर सैर करने के लिए मालाड और बोरीवली स्टेशन से बस या ऑटो से जाना पड़ता है। इसमें 30 से 40 मिनट का समय लगता है। रोपवे से यह समय 10 से 15 मिनट में बदल जाएगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, बुधवार
19 फरवरी, 2020

कोरोना वायरस: महाराष्ट्र में पांच लोग अस्पताल में भर्ती कराये गये

अब तक 39,784 की मेडिकल जांच

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में फिलहाल पांच यात्रियों को कोरोना वायरस की चपेट में आ जाने की आशंका से अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने मंगलवार को यह बात कही। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार उनमें से तीन का पुणे के नायडू अस्पताल में इलाज चल रहा है जबकि दो का यहां कस्तूरबा अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। विज्ञप्ति के अनुसार जनवरी मध्य से अब तक मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कुल 39,784 यात्रियों का कोरोना वायरस को लेकिर मेडिकल परीक्षण किया गया। विज्ञप्ति में कहा गया है, कोरोना वायरस प्रभावित क्षेत्रों से आ रहे लोगों को ढूंढने के लिए राज्यभर में क्षेत्रीय निगरानी भी चल रही है। स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि मध्य जनवरी से मंगलवार तक राज्य में 228 यात्री कोरोना वायरस प्रभावित क्षेत्र से आये और उनमें से 70 में इस विषाणु के संक्रमण के लक्षण नजर आये और उन्हें पृथक केंद्रों में रखा गया। विज्ञप्ति में कहा गया है, आज तक, राज्य प्रशासन द्वारा परीक्षण के लिए भेजे गये 66 नमूने राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान की रिपोर्ट के अनुसार निगेटिव पाये गये। विज्ञप्ति के अनुसार चीन में कोरोना वायरस के केंद्र वुहान से महाराष्ट्र पहुंचने वाले सभी विमान यात्रियों को केंद्र के निदेर्शानुसार अलग रखा जा रहा है और उनका कोरोना वायरस को लेकर परीक्षण कराया जा रहा है।

25 फरवरी से राज्य सरकार के खिलाफ भाजपा का 400 जगहों पर प्रदर्शन

यह प्रदर्शन एनआरसी, सीएए और एनपीआर को राज्य में लागू करने को लेकर भी होगा

संवाददाता

मुंबई। वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए भारतीय जनता पार्टी ने महाराष्ट्र विकास अगाड़ी (एमवीए) सरकार के खिलाफ प्रदर्शन की तैयारी की है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने सोमवार को कहा कि भाजपा उद्धव सरकार की विफलता के खिलाफ सभी तहसीलों में 25 फरवरी को प्रदर्शन करेगी। यह प्रदर्शन नागरिकता संशोधन अधिनियम, प्रस्तावित राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर और राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर को राज्य में लागू करने को लेकर भी होगा। बता दें कि राज्य सरकार का बजट सत्र 24 फरवरी से शुरू होगा। सरकार पर दबाव बनाने के लिए भाजपा ने सत्र का दूसरा दिन प्रदर्शन के लिए चुना है। चंद्रकांत पाटिल ने बताया कि प्रदर्शन प्रदेश के लगभग 400 स्थानों पर होगा।

जल्द गिर जाएगी एमवीए सरकार: भाजपा अध्यक्ष जे.पी नड्डा के अकेले चुनाव में जाने की बात पर पाटिल ने कहा,हमने अपनी रणनीति में बदलाव नहीं किया है। हम कह रहे थे कि एमवीए सरकार अपने स्वयं के बोझ और आंतरिक कलह के कारण गिर जाएगी। रविवार को नवी मुंबई में राज्य भाजपा के सम्मेलन के दौरान, नड्डा ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार 'अप्राकृतिक और अवास्तविक' थी। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा को आगामी सभी चुनावों में अकेले जाने के लिए तैयार रहना चाहिए और विश्वास व्यक्त किया कि उनकी पार्टी अगला महाराष्ट्र चुनाव अपने दम पर जीतेगी।

(पृष्ठ 1 का शेष)

सीमा पर तनाव

आईएसपीआर की तरफ से बताया गया है कि 600 किलोमीटर की क्षमता वाली क्रूज मिसाइल हवा से जमीन और समुद्र पर हमले को नाकाम करने की पाक सेना की रणनीतिक क्षमता बढ़ाएगी। पाकिस्तानी सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने सफल परीक्षण की निगरानी की। स्ट्रेटेजिक प्लान्स डिवीजन के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल नदीम जकी मंज ने इस सफल प्रक्षेपण को पाकिस्तान का हमलों को रोकने की क्षमता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम करार दिया। उन्होंने पाकिस्तान के वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की तकनीकी क्षमता की सराहना की जिन्होंने इस शस्त्र प्रणाली को विकसित किया है और प्रक्षेपण को सफल बनाया है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अलवी, प्रधानमंत्री इमरान खान और वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने मिसाइल के सफल परीक्षण पर वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को बधाई दी।

...राज्य में एनआरसी लागू नहीं होने दूंगा

तब राज्य की जनगणना अधिकारी ने जिलों के कलेक्टर और निगम प्रमुखों के साथ एनपीआर लागू करवाने की तैयारियों को लेकर चर्चा की थी। तब यह माना गया कि उद्धव ठाकरे ने राज्य में एनपीआर लागू करने की अनुमति दे दी। हालांकि, मीडिया में खबर आने के बाद राकांपा प्रमुख और महाराष्ट्र विकास अघाड़ी सरकार में सहयोगी शरद पवार ने नाराजगी व्यक्त की थी। इसके बाद सोमवार को राकांपा ने सभी 16 मंत्रियों की आपात बैठक भी बुलाई थी। माना जा रहा है कि राकांपा के इस रूख के बाद इस मामले में उद्धव ठाकरे ने यह बयान दिया है। उद्धव ने मीडिया के साथ बातचीत में कहा, सीएए, एनआरसी और एनपीआर तीनों अलग-अलग चीजें हैं। किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं हैं। हम राज्य में एनआरसी लागू नहीं करने जा रहे हैं। सीएए से राज्य के किसी भी नागरिक को घबराने की कोई जरूरत नहीं है। एनपीआर हर 10 साल में होने वाली जनगणना का प्रॉसेस भर है और एनआरसी मैं महाराष्ट्र में लागू होने नहीं दूंगा। वहीं इस मुद्दे पर फिर एक बार राकांपा प्रमुख शरद पवार ने कहा,इस (एनपीआर, सीएए और एनआरसी) मुद्दे पर उद्धव जी का अपना मत हो सकता है, लेकिन राकांपा ने इसके खिलाफ संसद में वोट किया है। इसके साथ भीमा कोरेगांव हिंसा मामले की जांच एनआईए को सौंपने पर भी सीएम ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि भीमा कोरेगांव मामले की जांच एनआईए को नहीं दी गई है। एल्गार परिषद मामले की जांच एनआईए को दी गई है। उन्होंने यह भी कहा कि मैं अपने दलित भाइयों के साथ अन्याय नहीं होने दूंगा। शरद पवार ने भीमा कोरेगांव मामले की जांच एनआईए को सौंपने पर भी नाराजगी व्यक्त की थी। सोमवार को उन्होंने राकांपा के मंत्रियों की जो बैठक बुलाई थी, उसमें यह भी तय किया गया था कि भीमा कोरेगांव हिंसा मामले की समानांतर जांच शुरू कराई जाएगी। एल्गार परिषद पुणे के शनिवारवाड़ा में 31 दिसंबर 2017 को हुई थी और इसके ठीक एक दिन बाद 1 जनवरी को पुणे के भीमा कोरेगांव में हिंसा हुई थी। उस दौरान पुणे पुलिस ने जांच में कहा था कि इसी एल्गार परिषद में हिंसा की प्लानिंग की गई थी। यह भी कहा गया कि संगोष्ठी के आयोजन को नक्सलियों का समर्थन था।

वार्ताकारों से मुलाकात से पहले बोलीं ...

लेकिन प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक सरकार का कोई नुमाइंदा उनसे मुलाकात नहीं करता और सीएए जैसे कानून को वापस नहीं लिया जाता, तब तक वो प्रदर्शन से नहीं हटेंगे। बातचीत में प्रदर्शनकारी महिलाओं ने प्रदर्शन स्थल से हटने से इनकार कर दिया। एक महिला प्रदर्शनकारी ने कहा कि जब तक सीएए जैसा काला कानून वापस नहीं हो जाता तब तक हम यहां से नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा कि तमाम तकलीफों के बावजूद हम प्रदर्शन में आ रहे हैं। वहीं दिल्ली के अबु फजल की रहने वाली शाहाना ने कहा कि हम अपने घर में रोजाना का काम निपटा कर प्रदर्शन में आ जाते हैं। हम लगातार यहां आ रहे हैं। हापुड़ की रहने वाली और मास कॉम की छात्रा आफसा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट कह रहा है कि सड़क बंद करना हमारा अधिकार नहीं, लेकिन यहां दो महीने से दुकानें भी बंद हैं और लाखों का नुकसान हो रहा है। जब बताया गया कि सुप्रीम कोर्ट का कहना कि सड़क जाम नहीं कर सकते तो आफसा ने कहा कि सीएए की अन्य आम कानूनों से तुलना नहीं की जा सकती है। यह वजूद का सवाल है। सरकार को हमसे बात करनी चाहिए। लेकिन उसमें इतना अहंकार भरा हुआ है कि कोई मिलने तक को राजी नहीं है। जब तक यह कानून वापस नहीं लिया जाता तब तक यहां से नहीं हटेंगे। एक बुजुर्ग महिला ने कहा कि हम पूरे दिन यहां बैठते हैं। हम सबको घर पर छोड़ कर यहां बैठते हैं क्या वो परेशानी नहीं है? प्रदर्शनकारियों में से एक महिला ने कहा कि हम कहीं और नहीं जा रहे हैं। हम इस देश के नागरिक हैं। यहां बैठे हैं तो सरकार सुन नहीं रही है। यदि कहीं और चले जाएंगे तो कौन सुनने वाला है। महिला ने कहा कि ट्रैफिक का मसला छोटा है, लेकिन नागरिकता का मसला उससे बड़ा है। हम अपने बच्चों के भविष्य के लिए हम यहां बैठे हैं। सिर्फ इस कानून को मुस्लिम के लिए बनाया गया है। अगर हम नागरिकता साबित नहीं कर पाए हमें ही घुसपैठिए कहा जाएगा।

वसई पूर्व में भव्य फ्री मेडिकल शिबीर

दिनांक 23-02-2020 रविवार को वसई पूर्व के जोशी हाल, शुभलक्ष्मी शौपिंग सेण्टर, वसंत नगरी, वसई पूर्व में सुबह 10 से 1 बजे तक लायंस कलब ऑफ वसई व लायंस कलब ऑफ वसई पर्ल्स और संस्कार भारती प्रतिष्ठान के सयुक्त प्रयत्न से भव्य मेडिकल शिबीर का फ्री आयोजन किया गया है। इस शिबीर में ब्लड प्रेशर चेक अप, ब्लड शुगर चेक अप, शरीर का वजन व नाप, ई सी जी, सुजाक थेरेपी, जनरल चेक अप, फ्री मेडिसन (दवा),आँखों का फ्री चेक अप, फ्री चश्मा व मोतिबिंदु पाए जाने पर फ्री ऑपरेशन भी किया जायेगा। तज्ञ डॉ शरीर की मुफ्त जांच करेंगे और परामर्श देंगे। संस्कार भारती प्रतिष्ठान के महामंत्री अखिलेश मिश्रा (फोन न. 9324754026)ने सभी जरूरतमंदों को शिबीर में भाग लेने को अनुरोध किया है। शिबीर के लिए रेजिस्ट्रेशन करवाना जरूरी है, मुफ्त रेजिस्ट्रेशन के लिए अशोक भाटिया (उपाध्यक्ष) फोन न. 9221232130 महेंद्र जोशी (ट्रेजरार) फोन न. 842588732 आर एन तिवारी (पदेन सदस्य) फोन न. 9960537577 पर संपर्क किया जा सकता है।

निर्भया केसः दोषियों के वकील एपी सिंह बोले- आप लिखकर रख लो, 3 तारीख को फांसी नहीं होगी

निर्भया केस में पटियाला हाउस कोर्ट ने सोमवार को चारों दोषियों के लिए नया डेथ वॉरंट जारी किया। पिछले 41 दिनों में यह तीसरा डेथ वॉरंट है। इसमें चारों दोषियों को 3 मार्च की सुबह 6 बजे फांसी देने का आदेश है। हालांकि चार दोषियों में से एक के पास अभी दया याचिका और क्यूरेटिव पिटीशन का विकल्प है। ये दोनों विकल्प खारिज होने के बाद भी दोषी नए सिरे से राष्ट्रपति के पास दया याचिका भेज सकते हैं। दोषियों के खिलाफ एक मामला दिल्ली हाईकोर्ट में भी चल रहा है, जिस पर फैसला आने तक फांसी नहीं हो सकती। यह बात पिछले 7 साल से निर्भया के दोषियों के लिए केस लड़ रहे वकील एपी सिंह ने कही। उन्होंने दैनिक भास्कर से बातचीत में यह भी कहा कि लिखकर रख लो, 3 मार्च को फांसी नहीं होगी। एपी सिंह ने बताया, मैं क्लाइंट से मिलूंगा। सभी कानूनी विकल्प पर बातचीत करूंगा और फिर वे जो चाहेंगे, जो उनके परिवार वाले चाहेंगे, वो करूंगा। अभी कई कानूनी विकल्प बाकी हैं। सभी का उपयोग किया जाएगा।

किताब में दावा

लश्कर 26/11 हमले को हिंदू आतंकवाद साबित करना चाहता था

...इसीलिए कसाब को हिंदू की आईडी दी, हाथ में लाल धागा बांधा

संवाददाता

आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा मोहम्मद अजमल आमिर कसाब को एक हिंदू के तौर पर मारना चाहता था ताकि 26/11 हमले को हिंदू आतंकवाद साबित किया जा सके। यह दावा मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर राकेश मारिया ने अपनी किताब 'लेट मी से इट नाउ' में किया है। उनके मुताबिक, कसाब को बेंगलुरु निवासी समीर दिनेश चौधरी का आईडी कार्ड मुहैया कराया गया था और उसकी कलाई में लाल धागा भी बंधा था। पाकिस्तान की आईएसआई ने कसाब को मारने के लिए दाऊद इब्राहिम के गैंग को सुपारी दी थी। एक अंग्रेजी वेबसाइट के मुताबिक, मारिया ने किताब में लिखा, लश्कर-ए-तैयबा मुंबई हमले को 'हिंदू आतंकवाद' के तौर पर प्रोजेक्ट करना चाहता था। लश्कर की योजना थी कि इस हमले के जिम्मेदार कसाब की पहचान बेंगलुरु निवासी समीर चौधरी के तौर पर हो। सभी टीवी चैनल और समाचार पत्र में इसे हिंदू आतंकी के तौर पर दिखाया जाए। लेकिन, उसकी यह योजना काम नहीं आई। बाद में जांच से पता चला कि अजमल कसाब पाकिस्तान के फरीदकोट का रहने वाला था।

कसाब मानता था कि भारत में नमाज पढ़ने की अनुमति नहीं है

मारिया ने लिखा, कसाब यह मानता था कि भारत में मुस्लिमों को नमाज पढ़ने की अनुमति नहीं है और मस्जिदों को बंद रखा गया है। मैंने अपने जांच अधिकारी रमेश महाले को गाड़ी से मेट्रो सिनेमा के निकट मस्जिद में ले जाने का आदेश दिया था। जब उसने मस्जिद में नमाज होते देखी तो उसे इस पर विश्वास नहीं हुआ। कसाब लूटपाट के मकसद से लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था। उसकी जिहाद को लेकर कुछ करने की कोई योजना नहीं थी। कसाब और उसका दोस्त मुजफ्फर लाल खान अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए लूटपाट करना चाहते थे। इसीलिए हथियार खरीदने और अपने उद्देश्य को पूरा करने के लिए प्रशिक्षण लेना चाहते थे।

कसाब मुझे सम्मानपूर्वक 'जनाब' कहने लगा थाः मारिया

- कसाब को जिंदा रखना हमारी प्राथमिकता थी। मुंबई के पुलिस अधिकारियों में उसको लेकर गुस्सा और शत्रुता की भावना थी। पुलिस सुरक्षा के दृष्टिकोण से कसाब से जुड़ी कोई भी जानकारी बाहर नहीं लाना चाहती थी। हम रोज उससे व्यक्तिगत पूछताछ करते थे। उसने मुझे आतंकवादी संगठन से जुड़ी काफी गोपनीय जानकारियां भी दी थी। रोज की पूछताछ से कसाब और मेरे बीच रिश्ते बेहतर हो गए थे। जल्द ही वह मुझे सम्मान देते हुए 'जनाब' कहने लगा।
- लश्कर में तीन राउंड तक प्रशिक्षण दिए जाने के बाद कसाब को 1 लाख 25 हजार रुपए मिले और उसे एक हफ्ते के लिए हॉलिडे पैकेज दिया गया। उसने यह रुपए अपनी बहन की शादी के लिए दिए। मारिया के अनुसार, मुंबई हमले की योजना 27 सितंबर 2008 को बनाई गई थी।

21 नवंबर 2012 को कसाब को फांसी दी गई

नवंबर 2008 में लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकी समुद्र के रास्ते मुंबई पहुंचे और करीब चार दिनों तक 12 जगहों पर गोलीबारी की। इसमें ताज होटल, नरीमन हाउस, छत्रपति शिवाजी समेत कई जगहों को निशाना बनाया गया। इस हमले में 155 बेगुनाह लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 308 लोग घायल हुए थे। सेना ने कार्रवाई में कसाब को छोड़कर सभी को मार गिराया। बाद में कसाब को दोषी पाया गया और 21 नवंबर 2012 को पुणे जेल में फांसी दी गई। वह पहला विदेशी था, जिसे भारत में फांसी दी गई।

कोरोनावायरस का असर

एलईडी बल्ब अगले महीने 10% महंगे हो सकते हैं

चीन से कंपोनेंट सप्लाई घटी

संवाददाता

चीन में कोरोनावायरस का संक्रमण फैलने की वजह से भारत में वस्तुएं महंगी हो रही हैं। मार्च में एलईडी बल्ब 10% महंगे हो सकते हैं। इलेक्ट्रिक लैम्प एंड कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ईएलसीओएमए) ने चीन से सप्लाई घटने की वजह से कीमतें बढ़ने की आशंका जताई है। ईएलसीओएमए के वाइस प्रेसिडेंट सुमित पद्माकर जोशी ने बताया कि देश में एलईडी बल्ब मैन्युफैक्चरिंग में इस्तेमाल होने वाले 30% कंपोनेंट चीन से आते हैं, लेकिन अभी सप्लाई कम हो रही है। क्योंकि, कोरोनावायरस फैलने की वजह से चीन में प्रोडक्शन कम हो रहा है। जोशी का कहना है कि सप्लाई में कमी की वजह से कनेक्टेड लाइटिंग सॉल्यूशंस और प्रोफेशनल लाइटिंग सेगमेंट ज्यादा प्रभावित होगा। क्योंकि, इस सेगमेंट की इंपोर्टेड कंपोनेंट पर निर्भरता ज्यादा है। एलईडी मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की ज्यादातर कंपनियों के पास फरवरी तक का स्टॉक है। मार्च से जो प्रोडक्ट बाजार में आएंगे उनकी कीमतें ज्यादा होंगी। उन्होंने बताया कि सप्लाई में कमी जनवरी में शुरू हो गई थी। इंडस्ट्री ने सोचा था कि थोड़े दिन में हालात सुधर जाएंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हर हफ्ते स्टॉक घट रहा है। ऐसे में मैन्युफैक्चरर्स ताइवान, हॉन्गकॉन्ग और दक्षिण कोरिया से कंपोनेंट मंगवाने की विकल्प भी तलाश रहे हैं।

हालात सामान्य होने में 3-4 महीने लगेंगे: जोशी के मुताबिक मौजूदा हालात 15-20 दिन में सुधरने वाले नहीं हैं। कारखाने खुले हैं, लेकिन 100% क्षमता से काम नहीं हो रहा। पर्याप्त कर्मचारी भी नहीं हैं। स्थितियां सामान्य होने में 3-4 महीने लगेंगे। भारतीय उद्योगों के लिए यह समझने का वक्त है कि उन्हें कंपोनेंट के लिए लंबी अवधि में आत्मनिर्भर बनने की जरूरत है। सिर्फ लाइटिंग इंडस्ट्री को ही नहीं बल्कि दूसरे उद्योगों को भी इस बारे में सोचना चाहिए। सरकार को भी मेक-इन-इंडिया अभियान को तेजी से बढ़ाने की जरूरत है।

श्वेता राठौर भारत की एक प्रेरणादायक फिटनेस आइकॉन

श्वेता राठौर को ईटी नाउ द्वारा प्रतिष्ठित वर्ल्ड वुमेन अचीवर्स अवार्ड 2020 से सम्मानित किया गया है। 'युवाओं को फिट रहने के लिए उन्हें प्रेरित करने के लिए भारतीय समाज के प्रति मेरे योगदान की वजह से मुझे चुना गया है क्योंकि मुझे लगता है कि फिटनेस हर भारतीय का मौलिक अधिकार है।' श्वेता राठौर कहती है जिसने युवाओं और समाज को प्रेरित करने के लिए सभी गतिविधियों के लिए खुद को समर्पित किया है। श्वेता पहली भारतीय महिला हैं जिन्होंने मिस वर्ल्ड फिटनेस फिजिक, मिस एशिया फिटनेस फिजिक का खिताब जीता और फिटनेस फिजिक में मिस इंडिया टाइटल के साथ हैट्रिक बनाई। 'मेरा सपना भारत को हमारी सरकार की पहल की तर्ज पर वैश्विक मंच पर लाना है,' श्वेता राठौर ने अपने एनजीओ 'गॉड्स ब्यूटीफुल चाइल्ड' की स्थापना की है, जो विशेष रूप से वंचित बच्चों को उनके समग्र विकास और महिला सशक्तीकरण के लिए प्रोत्साहित करता है।

जन्म दिन 19 फरवरी के अवसर पर विशेषः महाराष्ट्र की आन-बान और शान रहे छत्रपति शिवाजी महाराज

अशोक भाटिया

महाराष्ट्र की आन-बान और शान जिसके उपर महाराष्ट्र के लोग ही नही पूरा भारत गर्व करता है। भारत महाराष्ट्र का एक ऐसा राजा जिसका नाम सुनते ही मुगल कांप उठते थे। महाराष्ट्र का एक ऐसा हिंदू राजा जो कभी मुगलों के आगे नही झुका, छत्रपति शिवाजी महाराज। वे महाराष्ट्र के ही नहीं अपितु पूरे भारत के महानायक थे वीर छत्रपति शिवाजी महाराज। वह एक अत्यंत महान कुशल योद्धा और रणनीतिकार थे। वीर माता जीजाबाई के सुपुत्र वीर छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म ऐसे समय में हुआ था जब महाराष्ट्र ही नहीं अपितु पूरा भारत मुगल आक्रमणकारियों की बर्बरता से आक्रांत हो रहा था। चारों ओर विनाशलीला व युद्ध के बादलों के दृश्य पैदा हो रहे थे। बर्बर हमलावरों के आगे भारतीय राजाओं की वीरता जवाब दे रही थी उस समय १९ फरवरी १६३० को छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म हुआ। जिस समय छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म हआ था उस समय पूरे भारत की हालत वास्तव में बहुत ही चिंतनीय व दारूण हो चुकी थी। चारों तरफ हाहाकार मचा था। एक के बाद एक भारतीय राजा मुगलों के अधीन हुये जा रहे थे। बिना युद्ध किये वे उनके गुलाम होते जा रहे थे। मंदिरों को लूटा जा रहा था, गायों की हत्या हो रही थी, नारी अस्मिता तार-तार हो चुकी थी। ऐसे भयानक समय में शिवनेरी किले में माता जीजाबाई ने वीर पुत्र को जन्म दिया। माता जीजाबाई ने बचपन से ही छत्रपति शिवाजी महाराज को कहानियां सुनायीं जिसका असर उनके मन पर पड़ा। छत्रपति शिवाजी महाराज की निर्भयता का उदाहरण उनके बचपन से ही मिलने लगा था। उन्होंने बीजापुर में सुल्तान के आगे सिर नहीं झुकाया। बस यहीं से उनकी विजय गाथा प्रारम्भ होने लग गयी थी। 16 वर्ष की अवस्था तक आते-आते मुगलों के मन में छत्रपति शिवाजी महाराज के प्रति भय उत्पन्न होने लग गया था। बीजापुर दरबार से लौटते समय एक बार उन्होंने रास्ते में एक कसाई जो गायों की हत्या करने के लिये जा रहा था, का हाथ काट दिया था। यह उनकी एक और वीरता निर्भयता का अनुपम उदाहरण था। सन 1642 में रायरेश्वर मंदिर में कई नवयुवकों ने छत्रपति शिवाजी महाराज के साथ स्वराज्य की स्थापना करने का निर्णय लिया। सर्वप्रथम तोरण का दुर्ग जीता। उसके बाद उनका एक के बाद एक विजय अभियान चल निकला। 15 जनवरी 1656 को सम्पूर्ण जावली, रायरी सहित आधा दर्जन किलों पर कब्जा किया। सूपा, कल्याण, दाभोल, चोल बंदरगाह पर भी नियंत्रण कर लिया। 30 अप्रैल 1657 की रात्रि को जुन्नरनगर पर विजय प्राप्त की। छत्रपति शिवाजी महाराज की सफलताओं से घबरा कर तत्कालीन मुगल शासक ने छत्रपति शिवाजी महाराज को आश्वस्ति पत्र भेजा था। लेकिनछत्रपति शिवाजी महाराज यही नहीं रूके उनका अभियान तेज होता चला गया। बाद में मुगलों का सेनापति अफजल खां छत्रपति शिवाजी महाराज को पकड़ने निकला लेकिन छत्रपति शिवाजी महाराज उससे कहीं अधिक चतुर निकले और अफजल खां मारा गया। इसके बाद छत्रपति शिवाजी महाराज के यश की कीर्ति पूरे भारत में ही नहीं अपितु यूरोप में भी सुनी गयी। विभिन्न पड़ावों, राजनीति और युद्ध से गुजरते हुए ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी के दिन छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक किया गया। भारतीय इतिहास में पहली मजबूत नौसेना का निर्माण छत्रपति शिवाजी महाराज के कार्यकाल में माना गया है। शिवाजी की नौसेना में युद्धपोत भी थे तथा भारी संख्या में जहाज भी थे।

छत्रपति शिवाजी महाराज भारत के पहले ऐसे शासक थे जिन्होंने स्वराज्य में सुराज की स्थापना की थी। प्रत्येक क्षेत्र में मौलिक क्रांति की। छत्रपति शिवाजी महाराज मानवता के सशक्त संरक्षक थे। वे सभी धर्मों का आदर और सम्मान करते थे। लेकिन हिंदुत्व पर आक्रमण कभी सहन नहीं किया। उनके राज्य में गद्दारी, किसी भी प्रकार का भ्रष्टाचार, धन का अपव्यय आदि पर उनका कड़ा नियंत्रण था। शिवाजी में परिस्थितियों को समझने का चातुर्य था। छत्रपति शिवाजी महाराज ने अपने जीवनकाल में भारी यश प्राप्त किया था। इतिहास बताता है कि उन्होंने शून्य से सृष्टि का निर्माण किया। एक छोटी सी जागीर के बल पर बड़े राज्य का मार्ग प्रशस्त किया।छत्रपति शिवाजी महाराज ने उत्तर से दक्षिण तक अपनी विजय पताका फहराने में सफलता प्राप्त की थी। छत्रपति शिवाजी महाराज केवल युद्ध में ही निपुण नहीं थे अपितु उन्होंने कुशल शासन तंत्र का भी निर्माण किया। राजस्व, खेती, उद्योग आदि की उत्तम व्यवस्था ईजाद की।छत्रपति शिवाजी महाराज के शासनकाल में किसी भी प्रकार का तुष्टीकरण नहीं होता था। शिवाजी को एक कुशल शासक और प्रबुद्ध सम्राट के रूप में जाना जाता है। उन्होंने कई बार शुक्राचार्य तथा कौटिल्य को आदर्श मानकर कूटनीति का सहारा लिया। उनकी आठ मंत्रियों की मंत्रिपरिषद थी जिन्हें अष्टप्रधान कहा जाता था। इसमें मंत्रियों के प्रधान को पेशवा कहा जाता था। वह एक समर्पित हिंदू थे तथा वह धार्मिक सहिष्णु भी थे। उन्होंने कई मस्जिदों के निर्माण में भी सहायता की थी और उनकी सेना में मुसलमान सैनिक भी थे। वह अच्छे सेनानायक के साथ अच्छे कूटनीतिक भी थे। छत्रपति शिवाजी महाराज की दूरदृष्टि व्यापक थी। छत्रपति शिवाजी महाराजके शासनकाल में अपराधियों को दण्ड अवश्य मिलता था लेकिन साबित हो जाने पर। छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक होने के बाद ही सच्चे अर्थों में स्वराज्य की स्थापना हुई थी। हिंदू समाज में गुलामी और निराशा के भाव के साथ जीने की भावना को छत्रपति शिवाजी महाराज ने ही समाप्त किया। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में बहुत से लोगों ने छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन चरित्र से प्रेरणा लेकर भारत की स्वतंत्रता के लिए अपना तन-मन-धन न्यौछावर कर दिया। छत्रपति शिवाजी महाराज का जीवन वीरतापूर्ण, अतिभव्य और आदर्श जीवन है। नयी पीढ़ी को छत्रपति शिवाजी महाराज की जीवनी अवश्य पढ़नी चाहिये। इससे उनके जीवन में एक नयी स्फूर्ति और उत्साह का वातावरण अवश्य पैदा होगा तथा निराशा का भाव छंटेगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

'अखिलेश यादव को बीजेपी से जान का खतरा',

रामगोविंद चौधरी के आरोप से यूपी विधानसभा में हंगामा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कन्नौज में समाजवादी पार्टी (एसपी) अध्यक्ष अखिलेश यादव की सभा में 'जय श्री राम' के नारे लगाए जाने का मामला बढ़ता नजर आ रहा है। सोमवार को यूपी विधानसभा में एसपी के विधायकों ने बीजेपी पर सनसनीखेज आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया।

इस दौरान नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी ने बीजेपी से अखिलेश यादव की जान को खतरा बताया। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव को फोन पर धमकी भरे कॉल आ रहे हैं और गालियां दी जा रही हैं। समाजवादी पार्टी के बयान से सदन में हंगामा मच गया। स्पीकर हृदयनारायण दीक्षित ने आधे घंटे के लिए विधानसभा स्थगित कर दी।

बता दें कि यूपी विधानसभा में आज राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के अभिभाषण पर चर्चा होनी थी और विपक्ष के सवालों का मंत्रियों को जवाब देना था। जैसे ही विधानसभा की कार्रवाई शुरू हुई विपक्ष के नेता रामगोविंद चौधरी ने अखिलेश की सुरक्षा के मुददे को उठाया लेकिन जब विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण

दीक्षित ने इस पर विचार करने से इंकार कर दिया तो एसपी सदस्य सदन में हंगामा करने लगे और प्रश्न काल को बाधित करने लगे।

राम गोविंद चौधरी ने कन्नौज वाला मामला उठाते हुए कहा, 'अखिलेश यादव की जान पर खतरा पैदा हो गया है। बीजेपी के लोग घबरा गए हैं, हमेशा उनकी मीटिंग मे व्यवधान उत्पन्न किया जा रहा है। मेरे दफ्तर में पूछताछ की जा रही है। इस तरह अखिलेश यादव उनके फोन पर सैकड़ों बार जान से मारने की धमकी दी जारही है। गाली दी जा रही है। अपमानित शब्दों का इस्तेमाल किया जा रहा है।'

उन्होंने आगे कहा, 'कन्नौज की सभा में बीजेपी कार्यकर्ता अवैध रूप से घुसा था। इसी तरह एसपी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में एलआईयू का इंस्पेक्टर पत्रकार बनकर पहुंचा था। सरकार ऐसे लोगों को सपॉर्ट करती है, जिससे साफ है कि सरकार की मंशा क्या है।'

इस पर पलटवार करते हुए योगी सरकार के मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि बीजेपी के किसी कार्यकर्ता से या नेता से अखिलेश को खतरा नहीं है बल्कि समाजवादी पार्टी से पूरे समाज को खतरा है। मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा, 'अखिलेश सम्मानित सीएम रह चुके हैं, सम्मानित नेता हैं उनके लिए सम्मान कायम है। किसी तरह का अपमान नहीं। तो खतरा इनसे (समाजवादी पार्टी) से हैं पूरे समाज को खतरा।'

बता दें कि अखिलेश यादव ने हाल में दावा किया था कि उन्हें बीजेपी के एक नेता की ओर से धमकी भरा फोन और मैसेज आया था। यादव शनिवार को कन्नौज जिले में सपा के महिला सम्मेलन में पहुंचे थे। जब वह सभा को सम्बोधित कर रहे थे तभी जनता के बीच से गोविन्द शुक्ला नाम के युवक ने अखिलेश से बेरोजगारी पर सवाल किया। इस पर अखिलेश ने उससे पूछा कि तुम किसके आदमी हो? बीजेपी के तो नहीं हो? इतना कहने पर शुक्ला ने जय श्री राम का नारा लगाया।

इसके बाद अखिलेश ने पुलिस अधिकारी को भी फटकार लगाई थी और युवक को बाहर भेजने के लिए कहा था। अखिलेश ने कहा था, 'एक बीजेपी नेता ने मुझे फोन और मेसेज करके जान से मारने की धमकी दी है। मेरी जान को खतरा है। धमकी का मेसेज मोबाइल में सेव है। एक-दो दिन में लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस करूंगा।'

पिछलग्गू न बनें नीतीश, बस इसको लेकर ही मतभेदः प्रशांत किशोर

पटना। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) से अलग होने के बाद पहली बार मीडिया से मुखातिब हुए पूर्व उपाध्यक्ष प्रशांत किशोर ने नीतीश कुमार को पितातुल्य बताया। उन्होंने कहा कि वह नीतीश के फैसले को सहृदय स्वीकार करते हैं। उस पर कोई टीका-टिप्पणी नहीं करेंगे। इस दौरान प्रशांत किशोर ने नीतीश के बीजेपी के साथ गठबंधन पर सवाल उठाए।

पटना में प्रशांत किशोर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, नीतीश जी से मेरा संबंध विशुद्ध राजनीतिक नहीं रहा है। दिसंबर 2014 में पहली बार मिले थे, जिस तरह से नीतीश जी ने साथ रखा, वह किसी

बेटे की तरह ही रखा, उन्होंने उसी तरह स्नेह दिया। जब मैं उनके दल में था, तब भी और उससे पहले भी, मैंने भी उन्हें पितातुल्य माना।

प्रशांत किशोर ने कहा, 'नीतीश ने जो भी फैसला लिया, उनके सारे फैसले को सहृदय स्वीकार करता हूं। कोई विवाद टीका-टिप्पणी न ही अभी, न ही आगे यह उनका एकाधिकार था, आगे भी रहेगा। इस बात के लिए सम्मान है उनके प्रति सम्मान जो है वह आगे भी रहेगा।'

प्रशांत किशोर ने कहा, 'आपके झुकने से भी बिहार का विकास हो रहा है, तो मुझे आपत्ति नहीं है। क्या इस गठबंधन के साथ रहने से बिहार का विकास हो रहा है, सवाल यह है। लेकिन इतने समझौते के बाद भी बिहार में इतनी तरक्की हो गई है? क्या बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिला?'

कोरोना वायरस का डर, अस्पताल में बायोमीट्रिक अटेंडेंस पर रोक

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए महर्षि वाल्मीकि अस्पताल प्रशासन ने बायोमीट्रिक अटेंडेंस पर रोक लगा दी है। दिल्ली सरकार के पुठ खुर्द स्थित इस अस्पताल के प्रशासन ने ऑफिस ऑर्डर जारी कर बायोमीट्रिक अटेंडेंस को अगले आदेश तक इस्तेमाल नहीं करने की बात कही है। सभी को फिलहाल मैनुअली अटेंडेंस करने को कहा गया है।

अस्पताल प्रशासन ने कोरोना वायरस के संक्रमण के खतरे को देखते हुए यह आदेश जारी करने की बात कही है। दिल्ली में अभी तक कोरोना वायरस का कोई मामला सामने नहीं आया है। आरएमएल में एडमिट कुल 42 लोगों में से 40 की रिपोर्ट निगेटिव आई है, जिसके बाद उन सभी को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। अभी अस्पताल में दो संदिग्ध मरीज एडमिट हैं, जिसके ब्लड सैंपल जांच के लिए भेजा जा चुका है।कोरोना वायरस का संक्रमण एक से दूसरे में फैलता है, छूने और सांस के जरिए भी यह वायरस ट्रांसफर हो सकता है। ऐसे में अगर संक्रमित व्यक्ति बायोमीट्रिक मशीन को छूता है और उसी जगह पर कोई दूसरा स्वस्थ व्यक्ति अटेंडेंस लगाता है तो वायरस उस इंसान तक पहुंचने का खतरा है। लेकिन, अभी तक दूसरे किसी अस्पताल ने इस तरह का ऑर्डर जारी नहीं किया है।

प्रियंका गांधी को राज्यसभा में क्यों लाना चाहते हैं कांग्रेस के 'वफादार'?

नई दिल्ली/लखनऊ। कांग्रेस में 'परिवार के वफादार' पार्टी की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा को राज्यसभा में लाना चाहते हैं। इससे एक 'बड़ा फायदा' यह होगा कि संसद में आने से प्रियंका के घर को लेकर आशंका समाप्त हो सकती है। हाल ही में एसपीजी सुरक्षा हटने और सिक्योरिटी के मापदंड के तहत आधिकारिक निवास के नियम कड़े होने से प्रियंका के परिवार का आधिकारिक निवास वापस लिए जाने की संभावना है।

हमारे सहयोगी इकनॉमिक टाइम्स ने नवंबर में रिपोर्ट दी थी कि गांधी परिवार की एसपीजी सुरक्षा हटाने के बाद केंद्र सरकार प्रियंका गांधी को मिले आधिकारिक निवास पर दोबारा विचार कर सकती है। प्रियंका अपनी मां सोनिया गांधी और भाई राहुल गांधी की तरह संसद सदस्य नहीं हैं। प्रियंका को लोधी एस्टेट में 1997 से बंगला मिला है। सरकार ने 2015 में सरकारी निवास के आवंटन के नियमों में भी बदलाव किया था और केवल एसपीजी सुरक्षा वाले व्यक्तियों को ही सरकारी निवास के लिए पात्र बनाया गया था। 2015 से पहले जेड प्लस सिक्योरिटी वाले व्यक्ति भी सरकारी निवास के पात्र थे। गांधी परिवार के पास अब जेड प्लस सिक्योरिटी है।

160 अल्पसंख्यक परिवारों ने भारत में ली शरण, मांगी नागरिकता

नई दिल्ली। पाकिस्तान में हम लोगों के साथ बुरा व्यवहार किया जाता था। हमारी बेटियों को उठा कर ले जाते थे। जैसे ही हमारी बेटियां 14 साल की होतीं, उनका अपहरण कर लिया जाता। फिर उनको इस्लाम धर्म स्वीकार करने के लिए मजबूर किया जाता और उनकी शादी करा दी जाती थी...।

ये कहना है हाल ही में भारत पहुंचे पंछी राम का। पाकिस्तान में उत्पीड़न से परेशान हिंदू और सिख परिवारों के भारत आने का सिलसिला जारी है। अभी तक करीब 160 परिवार वाघा बॉर्डर के रास्ते भारत पहुंचे हैं और अब मजनू का टीला के पीछे रह रहे हैं। दिल्ली सिख गुरुद्वारा कमिटी ने इन परिवारों का समर्थन किया है और सरकार से इन्हें भारत की

नागरिकता देने की अपील की है।

कमिटी के प्रेजिडेंट मनजिंदर सिंह सिरसा ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि पाकिस्तान में इन परिवारों के साथ जुल्म होता है। लिहाजा इन्हें भारत की नागरिकता दी जाए ताकि ये सम्मान से जी सकें। सिरसा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से इन हिंदू-सिख शरणार्थियों को तत्काल नागरिकता प्रदान करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि इन शरणार्थी परिवारों के युवाओं ने भारतीय सेना और अर्धसैनिक बलों में अपनी सेवाएं देने की रुचि जाहिर की है, ताकि वे दुश्मन पाकिस्तान को सीमा पर करारा जवाब दे सकें।

पाकिस्तान से आए ज्यादातर लोगों का कहना था कि उन्हें वहां बहुत खराब हालात में रहना पड़ रहा था। कारोबार नहीं करने दिया जाता और आए दिन मारपीट होती थी। ऐसे ही एक पीड़ित भरत ने बताया कि सीमा पार अल्पसंख्यकों के लिए रहना नरक से भी बदतर है। दुकानों तोड़ दी जाती हैं।

ब्यूटिफुल बस्तरः छत्तीसगढ़ का वह रूप जिससे दुनिया है अनजान

छत्तीसगढ़ के बस्तर का नाम जब भी सुनाई देता है, आमतौर पर मन में नक्सलवाद से प्रभावित पिछड़े इलाकों की छवि आती है। लेकिन लाल मिट्टी वाली इस भूमि का एक और रूप भी है जिससे ज्यादातर दुनिया अनजान है। यहां की नैसर्गिक खूबसूरती यहां के जल, जंगलों और जमीन को ऐसी आभा देती है कि एक बार इसके रूबरू होने के बाद इंसान खुद से भी करीब पहुंच जाता है। यहां हम आपको बस्तर की कुछ बेहतरीन तस्वीरें दिखा रहे हैं, जिन्हें देखकर कोई भी मंत्रमुग्ध हो जाएगा।

मुचनार गांव की शाम

बस्तर संभाग के दंतेवाड़ा जिले में स्थित मुचनार गांव के एक किनारे से इंद्रावती नदी बहती है। इस गांव में सैलानी इंद्रावती नदी की खूबसूरत वादियों का लुत्फ उठाने आते हैं।

वैली ऑफ फॉग

बस्तर के जगदलपुर में स्थित मेंद्री घूमर जलप्रपात जिस रास्ते यह फॉल आगे बढ़ता है, उस तरफ काफी बड़ी वैली है। इस वैली को 'वैली ऑफ फॉग' के नाम से भी जाना जाता है। इस तस्वीर को देखकर आप इसकी खूबसूरती का अंदाजा लगा सकते हैं।

बस्तर पैलेस, जगदलपुर

कभी बस्तर के शाही परिवार का निवास रहा यह पैलेस आज जगदलपुर का मुख्य आकर्षण है। अब इस पैलेस को स्मारक का रूप दे दिया गया है, जहां शाही परिवार के विभिन्न कलाकृतियों और चित्र रखे हुए हैं।

चित्रकूट फॉल्स

छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में इंद्रावती नदी के ऊपर बना चित्रकूट का झरना भारत का नियाग्रा फॉल्स कहलाता है। यह 95 फीट की ऊंचाई से गिरता है और इसकी आवाज आप कई किलोमीटर दूर से भी सुन सकते हैं

देश देखा, जशपुर

बस्तर संभाग के जशपुर जिले में स्थित 'देश देखा' एक बेहद खूबसूरत जगह है। पुराने समय में इलाके पर राज करने वाले राजा अपनी रियासत को यहां से देखा करते थे। यह जशपुर का सन राइजिंग पॉइंट भी है।

ढोलकल गणेश

बस्तर के दंतेवाड़ा शहर से करीब 22 किलोमीटर दूर स्थित है ढोलकल पहाड़ी। यहां समुद्र तल से लगभग 03 हजार फीट ऊंची चोटी पर भगवान गणेश की एक प्रतिमा मौजूद है। बस्तर के स्थानीय आदिवासी भगवान गणेश को अपना रक्षक मानते हैं और उनकी पूजा करते हैं।

इंद्रावती नैशनल पार्क

इंद्रावती नैशनल पार्क छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में स्थित एक राष्ट्रीय उद्यान है। बस्तर संभाग में इंद्रावती नदी के किनारे स्थि यह नैशनल पार्क लुप्तप्राय हो चुके दुर्लभ जंगली भैंसे का घर है।

झारालावा झरना

यह झरना छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में स्थित है। जिला मुख्यालय से इस झरने की दूरी लगभग 12 किलोमीटर है। इसके चारों तरफ ढेर सारी हरियाली है, जिसे देखकर आपका दिल खुश हो जाएगा।

सात धारा झरना

बस्तर के बीच से गुजरने वाली इंद्रावती नदी पर स्थित यह झरना सात धाराओं के रूप में नीचे गिरता है। जगदलपुर से इसकी दूरी 68 किलोमीटर है।

इंद्रावती नदी

इंद्रावती नदी का उद्गम उड़ीसा में है, जहां से वह छत्तीसगढ़ में प्रवेश करती है। यह नदी अपनी लंबाई का लगभग एक तिहाई भाग उड़ीसा राज्य में तथा लगभग दो तिहाई भाग बस्तर में प्रवाहित होती है।

तीरथगढ़ फॉल

छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में कांगेर घाटी के बीच से होकर बहने वाली मुनगाबहार नदी पर स्थित है तीरथगढ़ फॉल। लगभग 300 फिट की ऊंचाई से गिरने वाला यह फॉल भारत के सबसे ऊंचे झरनों में से एक है। यह छत्तीसगढ़ का सबसे ऊंचा वॉटर फॉल है।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
काम की अधिकता रहेगी। विचलित न हों संयम बनाए रखें। अपना व्यवहार कार्यालय में ठीक रखें। वाहन दुर्घटना का शिकार हो सकते हैं।

वृष
अचानक काम के सिलसिले में यात्रा पर जाना पड़ सकता है। सहकर्मी से विवाद हो सकता है। धनतंगी रहेगी।

मिथुन
प्रॉपर्टी संबंधी मामलों में सफलता मिलेगी। कोई भी निर्णय सोच समझकर लें। काम के सिलसिले में यात्रा पर जाना पड़ सकता है। वाहन सावधानी से चलाएं।

कर्क
बच्चों को लेकर चिंता बनी रहेगी। कॅरियर के लिए निर्णायक दौर चल रहा है। कोई आपको बरगलाने का प्रयास कर सकता है। सतर्क रहें।

सिंह
काम अधिक होने से चिड़चिड़ाहट हो सकती है। अधिकारी से विवाद हो सकता है। काम पेंडिंग न रखें। धन की कमी रहेगी।

कन्या
प्रॉपर्टी में निवेश के लिए अभी समय अनुकूल नहीं है। किसी को उधार न दें। वाहन सतर्कता से चलाएं। खानपान में अति न करें।

तुला
कोई आपको भ्रमित करने का प्रयास कर सकता है। अच्छा होगा सतर्कता से कोई निर्णय लें। चोरी, दुर्घटना का शिकार हो सकते हैं।

वृश्चिक
किसी के प्रलोभन में न आएं काम बिगड़ सकते हैं। अनावश्यक विवादों में न पड़ें। अधिकारी वर्ग की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है।

धनु
काम की अधिकता रहेगी। समय पर सब काम पूरे हो जाएंगे। अपना काम किसी और को न सौंपें। मांगलिक कार्यक्रमों में जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

मकर
कॅरियर को लेकर चिंता बढ़ सकती है। तनाव ग्रस्त हो सकते हैं। इसका स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ेगा। खानपान का ध्यान रखें।

कुंभ
अपने कॅरियर को लेकर चिंता बढ़ेगी लेकिन समय के साथ सब ठीक हो जाएगा। बच्चों को शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिल सकती है।

मीन
कोई अनजान व्यक्ति आपको धोखा दे सकता है। किसी को कर्ज न दें। वाहन दुर्घटना का शिकार हो सकते हैं। समय प्रतिकूल चल रहा है इसलिये सतर्क रहें।

केरल का दिहाड़ी मजदूर रातोंरात बन गया करोड़पति, मिले 12 करोड़ रुपए

केरल के कन्नूर का रहने वाला एक दिहाड़ी मजदूर रातों रात करोड़पति बन गया। उसने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि वह जिस बैंक में कर्ज लेने के लिए जा रहा है, वहीं से उसे करोड़पति बनने की गुड न्यूज मिलने वाली है। कन्नूर के मालुर ग्राम पंचायत के कुरिचिया समुदाय से संबंध रखने वाले पी राजन ने लॉटरी में 12 करोड़ रुपए जीते हैं। यह लॉटरी राज्य सरकार की ओर से केरल क्रिसमस न्यू ईयर बंपर लॉटरी में लगी है।

इस लॉटरी का ड्रॉ सोमवार को निकाला गया था। लेकिन लॉटरी प्रशासन विजेता को खोज नहीं पाई। लॉटरी विजेता को लेकर फैली अफवाहों और दावों के बीच 52 वर्षीय पी राजन बैंक पहुंचे और बैंक मैनेजर को पहले पुरस्कार के लिए लॉटरी का टिकट दिया।

द हिन्दू में प्रकाशित खबर के अनुसार, पी राजन ने 12 करोड़ की लॉटरी जीतने पर कहा कि उनको पैसों की बहुत जरूरत है। बेटी की शादी और अन्य जरूरतों के लिए ऋण लिया था, जिसके बाद से वे कर्ज में डूबे हुए हैं। लॉटरी का प्राइज मनी उनको आशीर्वाद स्वरूप प्राप्त हुआ है।

राजन ने बताया कि वह कर्ज लेने के लिए बैंक गए थे, लेकिन उनको लोन नहीं मिला। जब वह दूसरी बार कर्ज लेने के लिए बैंक गए थे, तब उनको पता चला कि उन्होंने लॉटरी के 12 करोड़ रुपए जीत हैं।

राजन का एक बेटा और दो बेटी हैं। वे सबसे पहले 7 लाख रुपए का कर्ज उतारना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वह कर्ज का भुगतान करने के बाद एक नया घर बनाना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि उनके मकान की छत टूट गई है, बारिश के समय में छत से पानी टपकता है। वे इस पैसे को एक अच्छा घर बनाने में उपयोग करेंगे। लॉटरी में 12 करोड़ रुपए जैसी बड़ी रकम जीतने से पी राजन के परिवार में खुशी का माहौल है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

शरीर में शुगर लेवल बढ़ने पर मिलते हैं ये 7 संकेत

शुगर लेवल बढ़ने के संकेत : शरीर में शुगर लेवल का बढ़ना या कम होना सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। शुगर लेवल अनकंट्रोल होने पर शरीर के कई ऑगर्न्स डैमेज भी हो सकते है। इसलिए शरीर में शुगर लेवल का सही होना बहुत जरूरी होता है। वैसे तो ज्यादातर यह परेशानी लगातार काम और स्ट्रेस हो सकता है। मार्किट में मिलने वाली कई चीजों में भी बहुत ज्यादा मात्रा में शुगर पाई जाती है, जिसे आप रोजाना लेते है। इसके अलावा घर पर बने भोजन में भी कम से कम 12 चम्मच चीनी की मात्रा होती है, जो सेहत के लिए खतरनाक है। कुछ लोगों को इसकी जानकारी और लक्षण न पता होने के कारण वो इस इसके प्रति सतर्क नहीं हो पाते लेकिन कुछ साधारण संकेतों से पता लगाया जा सकता है कि आप बहुत अधिक मात्रा में शुगर ले रहें है।

शरीर में शुगर का स्तर 70 से 110 मिलीग्राम होना चाहिए। शुगर लेवल 110 से 125 तक होने पर भी घबराने की बात नहीं है लेकिन लेवल इससे ज्यादा बढ़ने पर बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसे में बहुत जरूरी है कि आप इसके लक्षणों को जानकर शुगर लेवल कंट्रोल करें। तो चलिए जानते है शरीर में शुगर लेवल बढ़ने पर क्या-क्या संकेत मिलते है।

शुगर लेवल बढ़ने के संकेत

1. त्वचा में झुर्रियां

समय से पहले चेहरे पर झुर्रियों का पड़ना शुगर लेवल बढ़ने का संकेत होता है।

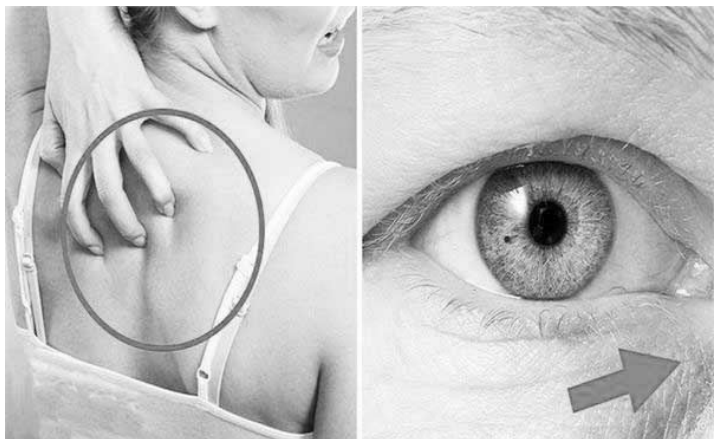

इसके साथ-साथ चेहरे पर दाग-धब्बे, मुंहासे और लाल धब्बे पड़ने लगते है।

2. लो एनर्जी

शरीर में शुगर बढ़ने पर आपकी ऊर्जा कम हो जाती है। दरअसल शुगर शरीर की सारी ऊर्जा को सोख लेती है, जिससे आपको थकान महसूस होने लगती है। इससे आप थोड़ी दूर चलने या कोई भी काम करके थक जाते है।

3. सूजन

शरीर में शुगर बढ़ने पर बैक्टीरिया पनपने लगते है। इसके कारण खाना खाने के बाद पेट में दर्द, गैस, पेट का फूलना और पेट में सूजन जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

4. बार-बार बीमार पड़ना

खून में शुगर लेवल ज्यादा हो जाने पर रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है। जिससे बार-बार बीमार पढ़ना या चोट का कई दिनों तक ठीक न होना और ज्यादा यूरिन आना की प्रॉब्लम हो जाती है।

5. वजन बढ़ना

शरीर शुगर को ऊर्जा में बदल नहीं पाता, जिसके कारण पेट या कमर के आसापस चर्बी इकट्ठी हो जाती है। इसकी के कारण शरीर में मोटापा बढ़ने लगता है।

6. कमजोर इम्यून सिस्टम

इम्यून सिस्टम का 70% हिस्सा शरीर से बैक्टीरिया को निकालने का काम करता है लेकिन शुगर की मात्रा ज्यादा होने पर यह ठीक से काम नहीं करता। इसी के कारण आपको कब्ज और छोटी-मोटी पेट संबंधित समस्याएं होती रहती है।

7. अनिद्रा

भोजन में शुगर की मात्रा ज्यादा होने पर आपको ठीक से नींद नहीं आती है। इसके अलावा रोजाना अधिक मात्रा में शुगर का सेवन अनिद्रा की समस्या भी पैदा कर सकता है।

काले चने में शहद मिलाकर खाने से मिलेंगे ये फायदे

काले चने का सेवन सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है। काबोर्हाइड्रेट, प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन और विटामिन के गुणों से भरपूर काले चने को भिगो कर रोजाना खाने से कई बीमारियां दूर होती है। वैसे तो भिगे हुए चने खाने से कई फायदे होते है लेकिन क्या आप जानते है इसमें शहद मिलाकर खाने से इसके फायदे और भी बढ़ जाते हैं। इसका सेवन कई बीमारियों को जड़ से भी खत्म कर देता है। आइए जानते हैं रोजाना भिगे हुए चने में शहद मिलाकर खाने से आपको क्या-क्या फायदे मिलेंगे।

1. कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल

काले चने को रात के समय भिगो कर सुबह इसमें शहद मिलाकर खाएं। रोजाना इसका सेवन कोलेस्ट्राल लेवल कंट्रोल में रखता है। इससे हार्ट प्रॉबल्म का खतरा टल जाता है।

2. किडनी प्रॉब्लम

रोजाना इसका सेवन बॉडी के टॉक्सिन्स दूर करता है। इससे आपको किडनी से जुड़ी सभी प्रॉबल्म से छुटकारा मिल जाता है।

3. कब्ज की समस्या

जिन लोगों को अक्सर कब्ज की समस्या रहती हो उनके लिए यह बहुत फायदोमंद होता है। इसमें मौजूद फाइबर की मात्रा से डाइजेशन सिस्टम ठीक रहता है और आपकी कब्ज की परेशानी दूर होती है।

4. खून की कमी

चने और शहद दोनों में ही भरपूर आयरन होता है इसलिए इसका सेवन करने से शरीर में खून की कमी पूरी हो जाती है।

5. मजबूत हड्डियां

काले चने चबाने से आपकी एक्सरसाइज हो जाती है, जिससे दांतों के साथ हड्डियां भी मजबूत होती है। इसके अलावा इससे आपको बुढ़ापे में किसी तरह की समस्या का सामना नहीं करना पड़ता।

6. डायबिटीज

सुबह इसका सेवन ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रखता है, जोकि डायबिटीज मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद होता है।

चने को और किस तरह खाने से होगा फायदा?

1. काले चने, सेंधा नमक और काली मिर्च को मिलाकर खाने से कई बीमारियां दूर हो जाती है।
2. काले चने खाने से ही नहीं बल्कि रोजाना इसका पानी पीने से भी कई प्रॉब्लम दूर होती है।

मोटापे से जूझता भारत तीसरे स्थान पर

दुनिया भर मे मोटापा ज्यादातर लोगों के स्वास्थ्य को चुनौती दे रहा है। जिसमे भारत को वर्ल्ड ओवेसिटी फेडरेशन की एक सर्वे रिपोर्ट मे तीसरे स्थान पर आंका गया है। खास कर भारत मे सबसे ज्यादा महिलाओं के मोटापे पर नजरअंदाज किया जाता है। साल 2025 तक 4.83 करोड़ भारतीयों के मोटापे से ग्रसित होने का पूवार्नुमान है। खासकर महिलाओं मे मोटापे पर जीवनशैली से जुड़ी अस समस्या को लोगों के स्वास्थ्य के रूप मे अनदेखा किया जा रहा है।

मुंबई के जानेमानी डायटीशियन जिग्ना सेठ बताती हैं। यह एक चिंता का विषय है। लगातार पोषक आहार और शारीरिक गतिविधियों मे सुधार के सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयासों के बावजूद महिलाओं और अन्य लोगों मे यह लगातार बढ़ता जा रहा है। सेहतमंद जीवन के लिए इसे नियंत्रित करना अत्यावश्यक हो गया है। जिसमे प्रोटीन की अहम भूमिका होती है। महिलाओं के मोटापे दिल की बिमारी से लेकर गर्भधारण तक मे दिक्कत ला सकती है। इसके कई कारण हो सकते हैं। उर्जा का असंतुलन एंडोकाइन मेडिकल स्थितियां और दवाईयों की वजह से भी मोटापा हो सकता है। कुछ लोगों का दुसरों के, मुकाबले बहुत तेजी से मोटापा बढ़

जाता है। यह समय पर नियंत्रण जरूरी बन गया है। जिसके लिए बहुत से लोग स्वस्थ खानपान और सक्रिय रहकर वदन को नियंत्रित कर लेते हैं। सही खानपान मे अनाज, दाल, फल और सब्जियां, कम फैट वाला दुध, चीनी नमक के साथ रिफाइंड चीजों का सीमित प्रयोग कर मोटापा कंट्रोल किया जा सकता है। साथ ही डाईट की अवस्था मे प्रोटीन की प्रचुर मात्रा पर भी ध्यान देने की जरूरत है। इसमे सबसे सुरक्षित पौधों पर आधारित प्रोटीन होता है। क्योंकि यह बेहतर पोषण के साथ बहुत कम कैलोरी देता है।

जिग्ना सेठ बताती हैं। सेहतमंद डाईट के साथ मोटापे पर शारीरिक सक्रियता बहुत जरूरी है। और हम ऐसे तरीके भी अपना सकते हैं, जो प्रभाव दिखाना सुनिश्चित करें। इसमे फूड सप्लीमेंट ऐसा ही एक तरीका है। यह ना सिर्फ सही पोषण प्रदान करता है। साथ ही वजन जैसी समस्या को रोकने मे मदद भी करता है। इसे लेने के लिए पहले न्यूट्रिशनिस्ट से सलाह लेनी चाहिए।

पौधों पर आधारित प्रोटीन सप्लीमेंट ज्यादा बेहतर विकल्प है। क्योंकि इसे पचाने मे आसानी होती है। जरूरी अमिनो एसिड मॉडल पी डी सी ए ए एस स्कोप फैट व कोलेस्ट्रोल की मात्रा कम और लेक्टोस नही होता। भारत मे मोटापा ऐसी महामारी बनता जा रहा है, जो एक बड़ी जनसंख्या को अपनी चपेट मे ले रहा है, जिसे दूर करने के लिए अपने सेहत के प्रति जिम्मेदारी लेनी होगी।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्पोर्ट्स हलचल

मुंबई, बुधवार
19 फरवरी, 2020

मैंने कभी हार नहीं मानी, 22 साल तक सपने को सच बनाने की करता रहा कोशिशः सचिन तेंडुलकर

नई दिल्ली। वो वक्त तो कोई भूल नहीं सकता जब भारतीय क्रिकेट टीम ने 2011 में विश्व कप जीता था और सचिन तेंडुलकर को उनके साथियों ने कंधों पर उठा लिया था। सचिन के इस पल को पिछले 20 सालों में खेल का सर्वश्रेष्ठ पल माना गया है। इसके लिए क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंडुलकर को लॉरियस स्पोर्टिंग मोमेंट अवॉर्ड 2000-2020 से सम्मानित किया गया। इस मौके पर तेंडुलकर ने बताया कि विश्व कप जीतना उनका बचपन से सपना था और इस सपने को सच में बदलने में उन्हें 22 साल तक इसका पीछा करना पड़ा, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। भारतीय क्रिकेट समर्थकों की वोटिंग से सचिन तेंडुलकर को सबसे अधिक वोट मिले और वह ये अवॉर्ड जीत गए।

अवॉर्ड मिलने के बाद दी स्पीच में सबसे पहले तो सचिन तेंडुलकर ने उन्हें वोट करने वाले लोगों और वहां कार्यक्रम में मौजूद लोगों का धन्यवाद अदा किया। उन्होंने कहा- 'ऐसे कुछ ही मौके होते हैं जब पूरा देश साथ मिलकर जश्न मनाता है और लोगों की अलग-अलग राय नहीं होती है। यही ताकत है क्रिकेट की, जो लोगों के साथ लाती है।'

जब उनसे पूछा गया कि बार-बार वर्ल्ड कप नहीं जीत पाने के बाद छठी बार में सफलता हासिल होने पर आपको कैसे लगा तो तेंडुलकर ने अपने दिल की बात कही। वह बोले- 'मेरा सफर 1983 में शुरू हुआ, जब मैं 10 साल का था। उस वक्त जब भारत ने विश्व कप जीता था तो मुझे इसकी अहमियत समझ नहीं आई। हर कोई जश्न मना रहा था तो मैं भी पार्टी में शामिल हो गया। लेकिन कहीं न कहीं मुझे ये पता था कि देश के लिए कुछ बहुत ही खास हुआ है। मैं भी एक दिन इसका अनुभव करना चाहता था और यहीं से ये सब शुरू हुआ।'

सचिन ने विश्व कप जीतने के उस पल को याद करते हुए कहा- 'वो मेरी जिंदगी का सबसे गौरवपूर्ण मौका था, जिसका मैंने करीब 22 सालों तक पीछा किया, लेकिन कभी उम्मीद नहीं खोई। मैंने उस ट्रॉफी को अपने देशवासियों की तरफ से उठाया था।' उन्होंने अपनी स्पीच में नेल्सन मंडेला का भी जिक्र किया, जिनसे वह 19 साल की उम्र में मिले थे। उन्होंने मंडेला की बातों में से एक खास बात का जिक्र किया और कहा उन्होंने कहा था कि खेल में लोगों को एक साथ लाने की ताकत होती है।

सचिन तेंडुलकर का वह छठा विश्व कप था, जिसमें महेंद्र सिंह धोनी ने श्रीलंका के पेसर नुवान कुलसेकरा की गेंद पर छक्का मार कर जीत का रास्ता साफ कर दिया था। इस जीत से सचिन तेंडुलकर कितने खुश हुए थे, उसका जिक्र उन्होंने ट्रॉफी मिलने के बाद दी स्पीच में किया। उन्होंने बताया कि उनकी जिंदगी में वह पल कितने मायने रखता है।

दिल्ली में होने वाले शूटिंग विश्व कप से चीन ने वापस लिया नाम, पाकिस्तानी खिलाड़ी भी नहीं लेंगे भाग

नई दिल्ली। चीन ने मार्च में नई दिल्ली में होने वाले आईएसएसएफ वर्ल्ड कप से अपना नाम वापस ले लिया है। चीन में फैले कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए इस बात की संभावना कम ही थी कि विदेश मंत्रालय और स्वास्थ्य मंत्रालय चीनी खिलाड़ियों को इस टूर्नामेंट के लिए वीजा देता। हालांकि इसे पहले ही चीन ने अपना नाम वापस

लेकर आयोजकों की मुश्किलें दूर कर दी। पाकिस्तान भी इस शूटिंग विश्व कप में अपने निशानेबाज नहीं भेजेगा। चीन के इस कदम के बारे में भारतीय राष्ट्रीय राइफल एसोसिएशन के अध्यक्ष रणइंदर सिंह ने बताया कि चीन का प्रतियोगिता से नाम वापस लेने का फैसला पूरी तरह से उसका है। इससे हमारा कोई लेना-देना नहीं है।

उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि ये अच्छा फैसला है। उन्होंने कहा कि हालांकि हमारी ओर से चीन के खिलाड़ियों के लिए होटल बुकिंग्स समेत अन्य सारी व्यवस्था कर दी गई थीं। वहीं पाकिस्तान के खिलाड़ी भी दिल्ली नहीं आएंगे। इससे पहले जब भारत में पिछला शूटिंग वर्ल्ड कप का आयोजन हुआ था तब भारत सरकार ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों को वीजा नहीं दिया था।

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ पाकिस्तान के कार्यकारी उपाध्यक्ष जावेद लोधी ने बताया कि हमारे तीन निशानेबाज टोक्यो ओलिंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं और हम उनकी कोचिंग पर ध्यान दे रहे हैं।

हमने जर्मनी में उनके लिए कोच तलाश लिया है, लेकिन वह मार्च से ही ट्रेनिंग शुरू कर सकेंगे। इसलिए हम अपने खिलाड़ियों के भारत में हो रहे विश्व कप में नहीं भेंज रहे हैं।

आई लीगः ईस्ट बंगाल ने इंडियन एरोज को हराया

नई दिल्ली। ईस्ट बंगाल ने सोमवार को आईलीग फुटबॉल मुकाबले में इंडियन एरोज को 3-1 से हरा दिया। ईस्ट बंगाल ने इसके साथ ही मौजूदा टूर्नामेंट में एरोज के खिलाफ मिली हार का बदला भी चुकता कर दिया। ईस्ट बंगाल की ओर से जेमी कोलाडो (पांचवें मिनट), अशीर अख्तर (62वें मिनट) और लालरिंडिका राल्टे (67वें मिनट) ने गोल दागे। एरोज की ओर से एकमात्र गोल 54वें मिनट में विक्रम प्रताप सिंह ने किया। इस मैच के साथ कूपरेज मैदान पर तीन साल बाद आईलीग मुकाबला खेला गया। दोनों टीमों के बीच हुए पिछले मुकाबले में एरोज ने ईस्ट बंगाल को 1-0 से हराया था।

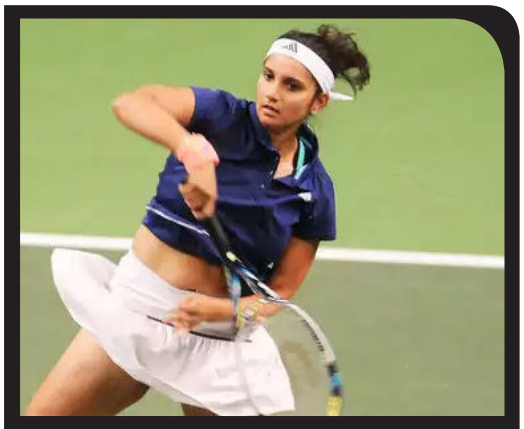

पिंडली की चोट से उबरीं सानिया, दुबई ओपन में करेंगी वापसी

दुबई। भारत की स्टार महिला टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा पिंडली की चोट से उबरकर बुधवार से दुबई ओपन में वापसी करने को तैयार हैं। इसी चोट के कारण सानिया को साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन के पहले दौर से ही बाहर होना पड़ा था।

सानिया ने कहा, ह्यचोट के कारण ग्रैंड स्लैम से नाम वापस लेना बेहद दुखद अनुभव था। खासकर, तब जब आप लंबे समय के बाद कोर्ट पर वापसी कर रहे हो। लेकिन मेरे फिजियो डॉक्टर फैजल हयात खान का शुक्रिया जिन्होंने मुझे टूर्नमेंट के लिए फिट कर दिया। मैंने अभ्यास शुरू कर दिया है और मैं टूर्नमेंट के लिए तैयार हूं। सानिया इस टूर्नामेंट में फ्रांस की कैरोलिना गार्सिया के साथ कोर्ट पर उतरेंगी। महिला युगल वर्ग के पहले दौर में इस जोड़ी का मुकाबला रूस की एला कुद्रायावत्सेवा और स्लोवेनिया की कैटरिना सरेबोटनिक से होगा। सानिया ने होबार्ट इंटरनेशनल में अपनी यूक्रेन की जोड़ीदार नादिया किचेनोक के साथ मिलकर महिला युगल वर्ग का खिताब जीत था। फाइनल में इस जोड़ी ने चीन की पेंग शुई और झांग शुई को 6-4, 6-4 से हराया था।

स्टीव वॉ की चेतावनी, इस बार ऑस्ट्रेलिया करेगा हिसाब बराबर

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ का मानना है कि बेस्ट बॉलिंग अटैक होने के बावजूद टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस साल के आखिर में होने वाली टेस्ट सीरीज में दोयम दर्जे की साबित होगी। विराट कोहली की कप्तानी वाली टीम इंडिया ने 2018 में 71 साल में पहली बार ऑस्ट्रेलिया में कोई टेस्ट सीरीज जीती थी।

भारतीय टीम ने चार मैचों की टेस्ट सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराया था। इसके बावजूद वॉ का मानना है कि इस बार की ऑस्ट्रेलियाई टीम वर्ल्ड नंबर-1 टीम इंडिया के खिलाफ बेहतर साबित होगी।

स्टीव वॉ ने कहा, 'जब भारत में क्रिकेट खेला

जाता है तो टीम इंडिया के पास दुनिया की बेस्ट बॉलिंग यूनिट होती है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज घातक हैं। भारत जब ऑस्ट्रेलिया जाएगा तो ऑस्ट्रेलिया को थोड़ा फायदा होगा।'

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की तारीफ करते हुए कहा कि उनके पास एक खास टैलेंट है। स्टीव वॉ ने कहा, 'जसप्रीत बुमराह असाधारण हैं। उनके पास एक खास टैलेंट है।' वॉ ने कहा, 'यह अच्छा है कि बुमराह ने कोच से प्रशिक्षण नहीं लिया क्योंकि कोच उन्हें तेज दौड़ने की सलाह देते। उन्होंने उसे नेचुरल रहने दिया जो शानदार है। इस पूर्व कप्तान ने कहा, ह्यवह बुमराह के पास क्षमता, सटीकता और गति सबकुछ है। उनकी मानसिकता भी अच्छी है। उन्हें चुनौती स्वीकार है और उन्हें आक्रमण की अगुवाई करना पसंद है। कोहली भाग्यशाली हैं कि उनके पास ऐसा गेंदबाज है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अली फजल के साथ 'मॉनसून वेडिंग' पर रिचा चड्ढा के बयान से आया 'ट्विस्ट'

बॉलिवुड में इन दिनों ऐक्ट्रेस रिचा चड्ढा और ऐक्टर अली फजल की शादियों की चर्चा हर तरफ है। इन चचाओं के बीच अफवाहें भी खूब हैं। इस बीच किसी ने रिचा और अली के नाम का बकायदा शादी कार्ड छपवाकर बांट दिए। हालांकि इन अटकलों का आनंद भी रिचा खूब ले रही हैं। जब उनसे इस बारे में पूछा गया तो वह एक कहानी सुनाने लगीं। रिचा ने कहा, 'पिछली बार जो मैंने सुना था, उसमें यह था कि मैं अली से सुबह 9 बजे और शाम को 4 बजे शादी करने जा रही हूं। पर, इसी बीच मेरी शादी भी टूट जाती है। अब मेरी समझ नहीं आ रहा कि मैंने अपनी शादी को कैंसिल करने के लिए ऐसा क्या किया?' इतना कहते हुए रिचा जोर से हंसती हैं। बाद में कहती हैं, '...अरे ये मजाक था। लोग ऐसा कर रहे हैं। एक ने तो कार्ड ही छपवा दिए।' पिछले 5 साल से अली को डेट कर रहीं रिचा इन अफवाहों का खंडन करती हैं लेकिन इसका लुत्फ भी ले रही हैं। कहती हैं, अब आगे कुछ लोग मेरे बच्चों के नाम के साथ भी आ सकते हैं। मैं ऐसे लोगों से यह भी अपील करूंगी कि कुछ पैसा डोनेशन के नाम पर ले आएं क्योंकि बच्चों की पढ़ाई में खर्चा भी तो होगा। वेलेंटाइन के सवाल पर रिचा कहती हैं, मेरे लिए ऐसा कोई अलग से स्पेशल डे नहीं है। मुझे लगता है कि अगर आप एक खूबसूरत रिश्ते में हैं तो हर दिन आपका वैलेंटाइन है। शादी के सवाल पर रिचा साफ-साफ कहती हैं कि अभी ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा, देखिए, जब भी हम करेंगे तो सबको बताकर करेंगे। शादी से बढ़कर और खुशी क्या होगी। इसके बारे में हम दोनों ही होंगे जो आप सबको पहले बताएंगे। तो फिर ये सब अफवाह क्यों? थोड़ा इंतजार क्यों नहीं।

50 मिलियन इंस्टाग्राम फॉलोअर्स वाले पहले भारतीय सेलिब्रिटी बने विराट कोहली, प्रियंका चोपड़ा को छोड़ा पीछे

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली के नाम खेल के मैदान से इतर एक और उपलब्धि दर्ज हो गई है। विराट कोहली पहले ऐसे भारतीय सेलिब्रिटी बन गए हैं, जिनके इंस्टाग्राम पर 50 मिलियन फॉलोअर्स हो गए हैं। इंस्टाग्राम फॉलोअर्स के मामले में विराट कोहली ने बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपडा.को पीछे दिया है, जिनके इंस्टाग्राम पर 49.8 मिलियन फॉलोअर हैं। कुछ वक्त पहले तक सबसे ज्यादा फॉलो की जाने वाली भारतीय हस्तियों में विराट कोहली नंबर-2 पर थे, लेकिन बहुत कम वक्त में उन्होंने इस फासले को खत्म कर पहला स्थान हासिल कर लिया है। साल 2020 की शुरूआत तक प्रियंका चोपड़ा इंस्टाग्राम फॉलोअर्स के मामले में विराट कोहली से आगे थी। साल की शुरूआत में प्रियंका चोपड़ा के इंस्टाग्राम पर 44.6 मिलियन फॉलोअर थे, जबकि विराट कोहली के 41.1 मिलियन फॉलोअर थे। लेकिन फरवरी के मिड में ही विराट कोहली इस फासले को खत्म कर नंबर 1 बन गए हैं।

रोपड़ में फिर आमिर ने डाला डेरा

गुरु गोविंद सिंह स्टडी सर्कल के डायरेक्टर इंदरपाल सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल बॉलीवुड कलाकार आमिर खान से मिलने गांव गढ़ डोलियां पहुंचा। यहीं पर आमिर खान अपनी फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस मौके पर आमिर खान ने रिपोर्टर शैली में लिखी गई पुस्तक 'सत्यमेव जयते' का विमोचन किया। इस पुस्तक को रुप अमरीक सिंह संतुष्ट खान ने लिखा है। इंदरपाल ने बताया कि पुस्तक मशहूर टीवी शो सत्यमेव जयते में उभारे गए मुद्दों के बारे में लिखा गया है। इस पुस्तक का अंग्रेजी में भी अनुवाद किया गया है। इस मौके पर प्रसिद्ध सिख जनरल हरी सिंह नलवा के जीवन को फिल्मी पर्दे पर उतारने पर भी चर्चा की गई। वहीं मिलने आए लोगों ने आमिर खान का सम्मान करते हुए एक दुशाला और सम्मान चिह्न भी भेंट किया। इस अवसर पर प्रो. भगवंत सिंह सत्याल, डायरेक्टर रयात बाहरा यूनिवर्सिटी, गायक जसवीर गिल, बिक्रमजीत सिंह जोनल सचिव रोपड़ जोन और लेक्चरार जसविंदर सिंह उपस्थित रहे।